TNF TODAY

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday | tnftoday

www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition | शिक्षकों व छात्रों को योगी सरकार की बड़ी सौगात (पेज-3) | पृष्ठ- 08 | वर्ष-01 अंक-11 | मूल्य ₹7 | गुरूवार | दिनांक- 9.07.2026

मुड़िया मेला के दौरान रात भर कच्ची परिक्रमा प्रतिबंधित रहेगी

पूरे परिक्रमा मार्ग पर परिक्रमार्थियों पर होगी हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा

❍ विशेष संवाददाता

मथुर। जगप्रसिद्ध मुड़िया मेला 23 जुलाई से शुरू होकर 30 जुलाई तक आयोजित होगा। बुधवार को तैयारी बैठक में निर्णय लिया गया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए मेला के दौरान कच्चा परिक्रमा मार्ग रात भर प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। कच्चा परिक्रमा मार्ग पर रात में अंधेरा रहता है और इस दौरान कोई जंगली जानवर आदि के हमले का खतरा रहता है। मेला अधिकारी से परिक्रमार्थियों पर पुष्प वर्षा करने की व्यवस्था का निर्देश दिया गया। सभी संबंधित विभागों से स्पष्ट कर दिया गया कि वे अपने-अपने विभाग की तैयारी 12 जुलाई तक पूरी कर लें।

मथुरा के गोवर्धन में विश्व प्रसिद्ध मुड़िया पूर्णिमा मेले को सकुशल और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। गोवर्धन तहसील परिसर में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

- 23 जुलाई से 30 जुलाई तक होगा मेला आयोजित, प्रशासनिक तैयारी बैठक
- 12 जुलाई तक सभी विभागों को अपनी-अपनी तैयारी पूर्ण करने का लक्ष्य
- बसों पर रहेंगे डबल ड्राइवर, जाम से बचने को कहीं भी खड़ी होने दी जाएगी बस

बैठक में कमिश्नर नागेंद्र प्रताप, एडीजी एसके भगत, डीआईजी शैलेश कुमार पांडेय, जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार, एसपी देहात सुरेश चंद रावत, एसपी ट्रैफिक राजेश कुमार तिवारी, एसडीएम सुशील कुमार सिंह, सीओ गोवर्धन अनिल कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा मुड़िया संत रामकृष्ण दास महाराज, मानसी गंगा रिसीवर कपिल चतुर्वेदी, दानघाटी मंदिर रिसीवर ललित पुरोहित, अंशु कौशिक, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोवर्धन की अधीक्षक डॉ. नेहा चौधरी, गोवर्धन चेयरमैन प्रतिनिधि मनीष लंबरदार, राधाकुंड चेयरमैन रामफल, व्यापार मंडल अध्यक्ष गणेश पहलवान समेत क्षेत्र के साधु संत व गणमान्य नागरिक भी बैठक में शामिल हुए।

कमिश्नर नागेंद्र प्रताप ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा प्रशासन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए पेयजल, बिजली, स्वच्छता, चिकित्सा सुविधा, यातायात व्यवस्था और सुरक्षा इंतजामों पर विशेष ध्यान दिया जाए। 12 जुलाई तक सभी विभाग अपनी-अपनी तैयारी कर लें।

एडीजी एसके भगत ने बताया कि मेले की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए पूरे मेला क्षेत्र को 9 जोन में विभाजित किया गया है। प्रत्येक जोन में पुलिस बल की तैनाती के साथ निगरानी व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पूरे मेला क्षेत्र में 10 पेट्रोलिंग पार्टियां लगातार भ्रमण करेंगी, जबकि श्रद्धालुओं की सहायता और सुरक्षा के लिए अस्थायी पुलिस चौकियां भी स्थापित की जाएंगी। बैठक में चर्चा के बाद निर्णय लिया गया कि कच्चा परिक्रमा मार्ग रात होते ही प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। इस मार्ग पर रात में अंधेरा होता है। संरक्षित क्षेत्र होने के कारण लाइटिंग नहीं कराई जा सकती। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए ये निर्णय लिया गया। मेलाधिकारी से परिक्रमार्थियों पर हेलीकाप्टर से पुष्प वर्षा की व्यवस्था के निर्देश दिए।

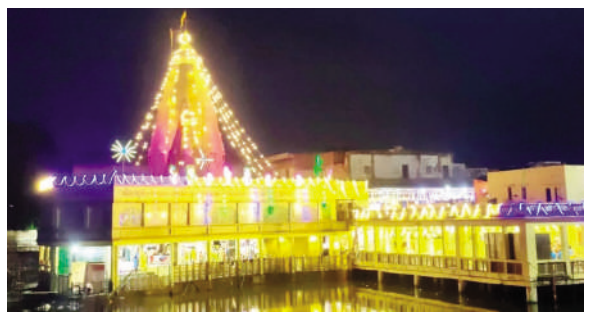

नगर पंचायत भी निभाएगी महत्वपूर्ण भूमिका

गोवर्धन नगर पंचायत चेयरमैन प्रतिनिधि मनीष लंबरदार ने बताया कि मेला के दौरान नगर पंचायत भी कई व्यवस्थाएं करेगी। श्रद्धालुओं के लिए पेयजल की व्यवस्था की जाएगी। पूरे क्षेत्र में सफाई व्यवस्था चौकस रखी जाएगी। मानसी गंगा में रंगीन फव्वारा होंगे। परिक्रमा मार्ग पर परिक्रमार्थियों पर गुलाब की वर्षा की जाएगी। गुलाब जल छिड़काया जाएगा।

नीट के बाद यूजीसी-नेट परीक्षा भी लीक!

राहुल गांधी का आरोप, लाखों छात्रों का भविष्य दांव पर

❍ एजेंसी, नई दिल्ली।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने UGC-NET परीक्षा का पेपर लीक होने की आशंका जताई है। कांग्रेस सांसद का यह आरोप तब आया है, जब यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन नेशनल एलिजिबिलिटी टेस्ट (UGC-NET) के सोशियोलॉजी पेपर में शामिल हुए कई उम्मीदवारों ने परीक्षा के पेपर में व्याकरण और स्पेलिंग की गलतियों की शिकायत की थी। ठएएळ वऋ पेपर लीक के कारण देशभर में हुए विरोध-प्रदर्शनों के बाद गांधी ने पर यह पोस्ट किया है। इन प्रदर्शनों में छात्रों, विपक्ष और छात्र संगठनों ने सख़्त कार्रवाई और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की है।

कांग्रेस नेता ने आगे लिखा कि NEET और NET में बार-बार हुए घोटालों के बावजूद मोदी सरकार आँखें मूंदे हुए है और चैन की नींद सो रही है, क्योंकि लाखों छात्रों की सालों की कड़ी मेहनत–दिन-रात एक करके की गई पढ़ाई–उनके लिए कोई मायने नहीं रखती। राहुल गांधी ने दैनिक भास्कर की उस रिपोर्ट का हवाला दिया जिसमें आरोप लगाया गया था कि 30 जून की परीक्षा से पहले ही यूजीसी-नेट का प्रश्नपत्र लीक हो गया था। रिपोर्ट के अनुसार, रोहतक में दो छात्र नेताओं ने एक वीडियो जारी किया जिसमें कथित समाजशास्त्र प्रश्नपत्र की सामग्री स्क्रीन पर दिखाई गई थी। उन्होंने दावा किया कि उम्मीदवारों को प्रश्नों के दो सेट पढ़ाए गए थे, और 100 प्रश्नों के उन सेटों में से एक सेट परीक्षा के प्रश्नों से मेल खाता है। यूजीसी नेट परीक्षा आयोजित करने वाली राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) की प्रतिक्रिया का इंतजार है।

होर्मुज में बड़ा बवाल, कूदी भारत की नौसेना, युद्ध के बीच 15 भारतीयों का रेस्क्यू!

आसमान में शिकारी ड्रोन मंडरा रहे हैं और अमेरिका ईरान के बीच कभी भी महायुद्ध छेड़ने का डर

❍ एजेंसी, नई दिल्ली।

अमेरिका ने ईरान के उन ठिकानों को चुनचुनकर निशाना बनाया जहां से ड्रोन और मिसाइलें लॉन्च की जा रही थी। ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम और मिसाइल साइट्स पर बमबारी हो रही थी। ईरान ने भी पलटवार किया और पलटवार की धमकी भी दी और स्थिति ऐसी हो गई कि एक गलतफहमी और तीसरा विश्व युद्ध शुरू हो सकता था। लेकिन इस भारी तनाव और गोलीबारी के बीच भारतीय नौसेना यानी इंडियन नेवी के जांबाजों ने अपना आपा नहीं खोया। बेहद शांति के साथ हमारे जहाज को उस डेंजर जोन से बाहर खींच दिया। खैर, यह सिर्फ एक रेस्क्यू ऑपरेशन नहीं था। यह नए भारत का नया स्टेटमेंट है। आज भारत सिर्फ सीमाओं की रक्षा नहीं करता बल्कि अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में एक एक नेट सिक्योरिटी प्रोवाइडर की भी भूमिका निभा रहा है। अधिकारियों का साफ कहना है हमारी नजरें 24 घंटे इस इलाके पर है। चाहे वो लाल सागर यानी रेड सी हो या हॉर्मूज। इसी मौत के रास्ते के बीच फंसा था 15 भारतीयों वाला एक विशाल तेल टैंकर ओमेगा ट्रेडर। दुनिया की सुपर पावर अमेरिका और ईरान आमने-सामने है। समंदर बारूद से भरा है। लेकिन तभी लहरों को चीरते हुए इंडियन नेवी की एंट्री होती है। होर्मुज यानी समंदर का वो हिस्सा है जो ओमान और ईरान के बीच है। दुनिया का लगभग 21% तेल यहीं से गुजरता है। अगर यह रास्ता बंद हुआ तो भारत ही नहीं पूरी दुनिया में पेट्रोल के दाम रातोंरात डबल हो सकते हैं। हालांकि ऐसा हो भी चुका है। लेकिन आज यह रास्ता जंग का अखाड़ा बन गया है।

राम को काल्पनिक बताने वाले आस्था की बात कर रहे, ट्रस्ट को बदनाम करना उचित नहीं: योगी

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चित्रकूट से कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर एक साथ कई मोर्चों पर हमला बोला। अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे को लेकर उठे विवाद के बीच मुख्यमंत्री ने कहा कि मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित हो चुकी है, लोगों की गिरफ्तारी और एफआईआर दर्ज होने के बाद पूरे ट्रस्ट पर सवाल उठाना उचित नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि जो दल कभी भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठाते थे, वही आज आस्था की राजनीति कर रहे हैं। चित्रकूट में 951 करोड़ रुपये की लागत वाली 124 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी अचानक सक्रिय हो गई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जो दल वर्षों तक अयोध्या और भगवान राम का विरोध करते रहे, उन्हें अब राजनीतिक मुद्दा मिल गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस की केंद्र सरकार ने रामसेतु को तोड़ने का प्रयास किया था और सुप्रीम कोर्ट में दाखिल शपथपत्र में भगवान राम को काल्पनिक बताया था। उन्होंने सवाल किया कि यदि राम और कृष्ण काल्पनिक हैं तो अयोध्या, चित्रकूट, मथुरा, वृंदावन और बरसाना जैसे आस्था के केंद्रों का अस्तित्व कैसे है।

राम मंदिर में चढ़ावे से जुड़ी अनियमितताओं के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने कहा कि शिकायत मिलने के बाद सरकार ने तत्काल विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया। जांच में छह लोग चोरी में शामिल पाए गए हैं और दो अन्य पर साजिश रचने का आरोप है। उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जा चुकी है।

उन्होंने कहा कि दोषियों पर कार्रवाई होना अलग बात है, लेकिन इसके आधार पर पूरे श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को बदनाम करना या उस पर उंगली उठाना उचित नहीं है।

मोदी के पहुंचते ही देशभक्ति के रंग में रंगा मेलबर्न

'मां तुझे सलाम' और 'वंदे मातरम' की धुनों से भव्य स्वागत

❍ एजेंसी, नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान मेलबर्न में भारतीय समुदाय के लोगों ने उनका भव्य स्वागत किया। पीएम मोदी को देखकर लोग उत्साहित नजर आए और पूरे कार्यक्रम में देशभक्ति का माहौल देखने को मिला। प्रधानमंत्री मोदी का मेलबर्न में भारतीय समुदाय के लोगों ने गर्मजोशी भरा स्वागत किया। इंतजार कर रहे लोगों ने जैसे ही उन्हें देखा तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। इस दौरान लोगों ने 'भारत माता की जय' और 'मोदी-मोदी' के नारे लगाए। कार्यक्रम में उपस्थित कलाकारों ने 'मां तुझे सलाम' और 'वंदे मातरम' की धुनों से प्रधानमंत्री का स्वागत किया। इस दौरान महिला कलाकारों ने शिव भक्ति गीत से जुड़ी नृत्य प्रस्तुति प्रस्तुत की। इस मौके पर पीएम मोदी लगातार ताली बजाते हुए कलाकारों का हौसला बढ़ाते रहे। उन्होंने सभी कलाकारों का आभार भी जताया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मेलबर्न पहुंचे, जहां उनका गर्मजोशी और खास अंदाज में स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के साथ तीसरे वार्षिक शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता करेंगे। इस दौरान वे कई लोगों और संगठनों के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात करेंगे, ताकि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत किया जा सके।"

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बताया, ''मैं ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न पहुंच गया हूं। यह दौरा भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूती देगा। मुझे प्रधानमंत्री अल्बनीज के साथ होने वाली बातचीत का इंतजार है। इस दौरान मुझे भारतीय समुदाय के लोगों से मिलने का भी मौका मिलेगा, जो भारत-ऑस्ट्रेलिया साझेदारी की एक अहम ताकत हैं।''

प्रधानमंत्री मोदी ऑस्ट्रेलिया की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। वह ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के निमंत्रण पर मेलबर्न की यात्रा कर रहे हैं। इस यात्रा से भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई गति मिलने की संभावना है।

मूसलाधार बारिश का कहरः कचरे का पहाड़ गिरने से बिल्डिंग ढही, कई लोग फंसे

पुणे। पुणे के पिंपरी-चिंचवड़ में बुधवार को हुई भारी बारिश के बाद, पुराने कचरे का पहाड़ जैसा ढेर पास की तीन मंज़िला इमारत पर गिर गया, जिससे वह ढह गई। इस घटना में कम से कम 16 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। एक अधिकारी के अनुसार, यह घटना मोशी में हुई। यहां इमारत का इस्तेमाल एक प्राइवेट कंपनी के एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिस के तौर पर किया जा रहा था, जो नगर निकाय की ओर से उस जगह पर कचरे की प्रोसेसिंग का काम कर रही थी।

पिंपरी-चिंचवड़ के मेयर रवि लांडगे ने कहा कि शहर में भारी बारिश की वजह से पानी का स्तर काफी बढ़ गया है। इसके कारण जमा हुआ कचरा और मलबा एक ऑफिस बिल्डिंग पर गिर गया, जिससे कंक्रीट का एक स्लैब भी ढह गया। उस समय ऑफिस के सोलह कर्मचारी वहां खाना खा रहे थे; दो लोग बाहर निकलने में कामयाब रहे, और बाकी लोगों को बचाने का काम अभी चल रहा है। नहीं, किसी की मौत नहीं हुई है; सभी सुरक्षित हैं। फायर ब्रिगेड, ठऊऋ की टीम, पुलिस और स्वास्थ्य व पर्यावरण विभाग उन्हें बाहर निकालने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

जोशीले एसएसपी ने युवा अफसरों को दिए 'सर्जिकल स्ट्राइक' के टिप्स

चार थाना क्षेत्रों में सफल ऑपरेशन के बाद ट्रेनी क्षेत्राधिकारियों के लिए खास तौर पर लगाई प्रशिक्षणशाला

❍ राजेश मिश्रा

मथुरा। महीनों की प्लानिंग के बाद मंगलवार तड़के जनपद के चार थाना क्षेत्रों में साइबर अपराध के ठिकानों और संदिग्ध अपराधियों को शिकंजे में कसने से उत्साहित एसएसपी श्लोक कुमार ने पुलिस के इस 'सर्जिकल स्ट्राइक' की बारीकियों को युवा अफसरों से साझा किया। इन ट्रेनी क्षेत्राधिकारियों के लिए प्रशिक्षणशाला कर उन्हें आगाह किया कि साइबर क्राइम के लिए नई नई तकनीकी पुलिस के लिए चुनौती बनती जा रही हैं लेकिन, त्वरित रिस्पॉन्स और तकनीकी विश्लेषण से इन पर रोकथाम उतनी ही आसान भी है।

पुलिस कार्यालय में बुधवार को विशेष रूप से आयोजित इस हाईटेक कार्यशाला में एसएसपी श्लोक कुमार और एसपी देहात सुरेश चंद्र रावत ने युवा अफसरों को बताया कि साइबर अपराध के तौर-तरीकों पर अध्ययन करने और अपनी टीम के विशेषज्ञों से सर्विलांस कराने के बाद किस तरह से शिकंजा कसने की प्लानिंग की गई। इसके बाद ठोस प्लानिंग के बाद गोवर्धन, बरसाना, कोसीकलां और शेरगढ़ थाना क्षेत्रों में तड़के ऐसे समय पर घेराबंदी की कि शातिरों को भागने का मौका ही नहीं मिल पाया। एसएसपी ने बताया कि साइबर अपराध, क्रिप्टोकरेंसी के दुरुपयोग और एआई के माध्यम से बढ़ते डीपफेक जैसे नए खतरों ने अपराध की दुनिया की पूरी शक्ल बदल दी है।

- साइबर क्राइम पुलिस के लिए चुनौती, त्वरित रिस्पॉन्स और तकनीकी विश्लेषण से ही रोकथाम संभवः श्लोक कुमार

कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए इन तकनीक-संचालित और सीमा-पार अपराधों का मुकाबला करना सबसे बड़ी चुनौती बन गया है। पारंपरिक हवाला और नकद लेनदेन की जगह अब क्रिप्टोकरेंसी और डार्क वेब के माध्यम से फिरौती और मनी लॉन्ड्रिंग को अंजाम दिया जा रहा है। अपराधी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करके लोगों की आवाज की नकल (वॉयस क्लोनिंग) और फर्जी वीडियो (डीपफेक) बनाकर भारी ठगी कर रहे हैं। यह भी साइबर फ्रॉड का ही एक तरीका है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार व एसपी देहात (आईपीएस) सुरेशचंद ने युवा अधिकारियों को डिजिटल धोखाधड़ी, वित्तीय फ्रॉड और सोशल मीडिया जनित अपराधों के बारे में व्यावहारिक ज्ञान देते हुए बताया कि साइबर अपराधों की प्रभावी रोकथाम के लिए त्वरित रिस्पॉन्स और तकनीकी विश्लेषण कितना अनिवार्य है। इसके साथ ही, उन्होंने साइबर सेल की कार्यप्रणाली, डेटा एनालिसिस उपकरणों के उपयोग और पीड़ित नागरिकों की शिकायतों पर पुलिस द्वारा की जाने वाली त्वरित वैधानिक कार्रवाइयों से भी अवगत कराया।

टटलू बन गए साइबर फ्रॉड

एसएसपी श्लोक कुमार का कहना था कि मथुरा में टटलू साइबर फ्रॉड बन गए हैं। आर्थिक अपराध का चेहरा बदल रहा है। नई नई तकनीक आ रही हैं जो पुलिस के सामने नई चुनौतियां बन रही हैं। चलते ईवी ऑटो को दूर बैठे एक ऐप का उपयोग कर बंद कर देने का मामला सामने आया और सरकार ने ऐप को प्रतिबंधित कर दिया। यह आने वाले समय की नई चुनौतियों को दर्शाता है। कभी सोने की ईंट का लालच देकर लोगों का टटलू काटने वाले आज बैंक कर्मचारी और अधिकारियों के साथ मिलकर साइबर फ्रॉड कर रहे हैं। यह साबित करता है कि अपराध और अपराध जगत में संलिप्त लोगों का दायरा बढ़ रहा है।

2013 में ही रद्द हो चुका है अलॉटमेंट

बिना अनुमति कब्जा बरकरार, आरटीआई से कांग्रेस के 24 अकबर रोड ऑफिस पर क्या बड़ा खुलासा हो गया?

❍ एजेंसी, नई दिल्ली।

कांग्रेस पार्टी 26 जून, 2013 से 24, अकबर रोड स्थित अपने पुराने हेडक्वार्टर पर बिना अधिकार के कब्जा जमाए हुए है और इस दौरान सरकार को बंगले का कोई किराया नहीं मिला है। इंडिया टुडे ने अपनी रिपोर्ट में आरटीआई का हवाला देते हुए खुलासा किया है कि केंद्र सरकार ने जानकारी दी है कि पार्टी पर बकाया राशि अभी समीक्षा के अधीन है और तय की जानी बाकी है। केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के तहत आने वाले 'डायरेक्टरेट ऑफ एस्टेट्स' की ओर से आरटीआई के जवाब में बताया गया है कि लुटियंस दिल्ली में स्थित अकबर रोड का बंगला नंबर 24, 7 अगस्त 1992 को कांग्रेस पार्टी को अलॉट किया गया था। हालांकि, सरकार के मुताबिक, 26 जून 2013 से इसका अलॉटमेंट रद्द कर दिया गया था और तब से यह बंगला पार्टी के अनधिकृत कब्जे में है।

बीजेपी के बकाया की भी समीक्षा हो रही है

हाल ही में दायर आरटीआई में लुटियंस दिल्ली के एक और पते, 11 अशोक रोड के बारे में भी जानकारी मांगी गई थी। यह पता केंद्र सरकार की अगुवाई करने वाली भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) का पूर्व मुख्यालय था। डायरेक्टरेट ऑफ एस्टेट्स ने पुष्टि की कि यह बंगला 21 मार्च, 1985 को बीजेपी को आवंटित किया गया था। हालांकि, विभाग ने बताया कि यह प्रॉपर्टी अब लोकसभा सदस्यों के पूल का हिस्सा है। किराया वसूली और किराया देने वाली संस्था के बारे में जानकारी मांगने वाली अर्जी को बाद में लोकसभा सचिवालय को भेज दिया गया। जवाब में यह भी कहा गया है कि सरकार के प्रति बीजेपी का कोई बकाया है या नहीं, इसकी समीक्षा की जा रही है और अभी तक इसकी कोई निश्चित राशि तय नहीं की गई है।

कहीं राहत तो कहीं आफत बरसी

एक दिन की बरसात ने लोगों को किया बेहाल

● टीनएफ टुडे ●

पिनाहट (आगरा)। मंगलवार रात से शुरू हुई रिमझिम बारिश बुधवार को दिनभर जारी रही। लगातार बारिश से कहीं किसानों के चेहरे खिले तो कहीं कस्बा और गांवों की सड़कें जलमग्न हो गईं। लोग घरों में कैद हो गए और बाजारों में पानी भर गया। चंबल नदी का पहुंच मार्ग भी कीचड़ में तब्दील हो गया। दिनभर हुई बारिश से कस्बे की मुख्य सड़कें और गलियों के खरंजे पानी से लबालब हो गए। नालियों का पानी सड़कों पर आ जाने से आवागमन बाधित रहा। बाजार में दुकानों के सामने पानी भरने से ग्राहक कम निकले। गांवों में भी कच्चे रास्ते दलदल बन गए। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटे में भी हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। प्रशासन ने निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति पर नजर रखने के निर्देश दिए हैं।

चंबल मार्ग बना दहदल

चंबल नदी तक जाने वाला करीब एक किलोमीटर का कच्चा रास्ता बारिश के कारण पूरी तरह कीचड़ और दलदल में बदल गया। यहां से गुजरने वाले लोग दिनभर गिरते-पड़ते नजर आए। पैंटून पुल हटने के बाद स्टीमर का इंतजार कर रहे लोगों को इस मार्ग पर आवागमन में भारी दिक्कत हो रही है।

किसान बोले– बाजरा में बरसा पानी

लगातार बारिश से किसानों को राहत मिली है। किसानों का कहना है कि बाजरा और खरीफ की फसलों के लिए यह बारिश संजीवनी बनकर आई है। पानी की कमी से झुलस रही फसलों को नया जीवन मिला है।

पहली बारिश में खुली विकास की पोल

नया बांस में 6 फीट भरा पानी,गांवों का आवागमन ठप

पिनाहट (आगरा)। मानसून की पहली बारिश में ही ब्लॉक की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत विप्रावली के विकास कार्यों की पोल खुल गई। उपगांव नया बांस में मुख्य मार्ग पर 5 से 6 फीट तक पानी भर जाने से आवागमन पूरी तरह ठप हो गया। जलभराव का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों ने बताया कि नया बांस का यही मुख्य मार्ग मनोना, गुरावली सहित लगभग एक दर्जन गांवों को जोड़ता है। सड़क पर गहरे गड्ढे और जलभराव के कारण लोग घरों से नहीं निकल पा रहे हैं। स्कूल परिसर और आसपास के इलाकों में भी पानी भर गया है, जिससे बच्चों की सुरक्षा को लेकर अभिभावक चिंतित हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम पंचायत में विकास कार्यों और सरकारी योजनाओं के नाम पर केवल खानापूर्ति की गई है। नालियों की सफाई और जलनिकासी की कोई व्यवस्था नहीं है, इसी कारण थोड़ी सी बारिश में ही सड़क तालाब बन गई। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते जलभराव और सड़क की समस्या का समाधान नहीं हुआ तो कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। उन्होंने प्रशासन से तत्काल पानी निकासी और सड़क मरम्मत की मांग की है।

गजोरा में 100 बेड का अस्पताल जल्द, भूमि पूजन

● टीनएफ टुडे ●

पिनाहट (आगरा)। आगरा-बाह मार्ग पर स्थित गजोरा गांव में 100 बेड के समाधियां अस्पताल के निर्माण के लिए बुधवार को भूमि पूजन किया गया। अस्पताल का निर्माण समाधियां ग्रुप ऑफ एजुकेशन एवं समाधियां कोल्ड स्टोरेज कुकथरी के संस्थापक सुखराम समाधिया द्वारा कराया जा रहा है।

संत कोदरिया सरकार सत्यानंद जी महाराज ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भूमि पूजन कराया। इस दौरान समाधियां ग्रुप के उपेन्द्र समाधिया ने कहा कि समूचे बाह क्षेत्र में कोई बड़ा अस्पताल नहीं है। यहां के लोगों को उपचार के लिए आगरा तक दौड़ लगानी पड़ती है। आपात स्थिति में समय पर इलाज न मिलने से मरीजों की जान बचाना भी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में इस अस्पताल के बनने से क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

उन्होंने बताया कि अस्पताल में ओपीडी, इमरजेंसी और भर्ती की सुविधा उपलब्ध होगी। इससे पिनाहट, बाह और आसपास के दर्जनों गांवों के मरीजों को लाभ मिलेगा। भूमि पूजन में क्षेत्र के गणमान्य लोग, सामाजिक कार्यकर्ता और समाधियां ग्रुप के पदाधिकारी मौजूद रहे।

चंबल घाट पर दलदल में फंसी कार

ग्रामीणों ने धक्का देकर निकाला

● टीनएफ टुडे ●

पिनाहट (आगरा)। चंबल नदी घाट पर बारिश के कारण बने दलदल में बुधवार दोपहर एक कार फंस गई। पहियों में कीचड़ भर जाने से कार आगे नहीं बढ़ पाई और एक तरफ झुककर पलटने लगी। शोर सुनकर पहुंचे ग्रामीणों ने कार को धक्का देकर कीचड़ से बाहर निकाला।

मिली जानकारी के अनुसार दोपहर करीब 1 बजे मध्यप्रदेश की ओर से आ रही एक स्विफ्ट कार चंबल घाट के कच्चे मार्ग से गुजर रही थी। लगातार बारिश से रास्ता दलदल में बदल गया था। कार के पहियों में मिट्टी भर गई और वह चढ़ाई पर चढ़ नहीं पाई। कार एक तरफ झुककर पलटने ही वाली थी कि तभी स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे।

ग्रामीणों ने मिलकर कार को पीछे से धक्का लगाया और काफी मशक्कत के बाद उसे दलदल से बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। कार में सवार लोग बाल-बाल बचे। पैंटून पुल हटने के बाद स्टीमर न चलने से चंबल घाट का यह कच्चा मार्ग पहले से ही खराब है। बारिश के बाद यहां आवागमन और भी मुश्किल हो गया है।

एक पेड़ माँ के नाम पर विद्यार्थियों ने रोपे पौधे

पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

● टीनएफ टुडे ●

फतेहपुर सीकरी। शासन द्वारा संचालित एक पेड़ माँ के नाम 3.0 अभियान के अंतर्गत पूर्व माध्यमिक विद्यालय नगरिया ताजपुर, विकास क्षेत्र फतेहपुर सीकरी में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्कूल परिसर में सुरक्षित स्थान एवं बाउंड्री वॉल के किनारे छात्र-छात्राओं ने अपनी माताओं के सम्मान एवं पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ पौधारोपण किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल का संकल्प भी दिलाया गया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक हीलेंद्र शर्मा एवं सहायक अध्यापिका रेनू भारद्वाज के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं ने ग्राम में जनजागरूकता अभियान चलाकर ग्रामीणों से अधिक से अधिक पौधे लगाने, उनका संरक्षण करने तथा पर्यावरण को स्वच्छ एवं हरा-भरा बनाने का आव्हान किया।

0000000000000000

बंद गौशालाओं को दोबारा शुरू कराने की मांग

- गौ रक्षकों ने बीडीओ को सौंपा ज्ञापन, बताई समस्याएं

● टीनएफ टुडे ●

सैंया। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा क्षेत्र की गौशालाओं के समायोजन के बाद बंद हुई गौशालाओं को पुनः संचालित कराने की मांग को लेकर बुधवार को गौ रक्षकों ने खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) को ज्ञापन सौंपा।

गऊ दास गौ सेवा समिति डूड़िया पुरा-ब्रथला के बैनर तले महंत सुनेशनाथ महाराज के नेतृत्व में हिंदूवादी कार्यकताओं और गौ रक्षकों ने बीडीओ जयकिशन दोहरे को ज्ञापन देकर बंद पड़ी गौशालाओं को दोबारा शुरू कराने, बीमार गोवंश का समय पर उपचार कराने तथा मृत गोवंश के सम्मानजनक अंतिम संस्कार की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की।

बीडीओ जयकिशन दोहरे ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त करते हुए कहा कि सरकार के निदेर्शानुसार गौशालाओं का समायोजन किया गया है। उन्होंने बताया कि ज्ञापन में उठाई गई सभी मांगों को मुख्य विकास अधिकारी के माध्यम से शासन स्तर तक भेजा जाएगा। ज्ञापन देने वालों में आकाश त्यागी, सतेन्द्र पाराशर,रोहित सेन, रामगोपाल, विष्णु, प्रदीप, संदीप सहित बड़ी संख्या में गौ रक्षक उपस्थित रहे।

रस्साकसी में जीता रजत पदक, सांसद राजकुमार चाहर ने किया सम्मानित

● टीनएफ टुडे ●

आगरा। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम (अनंतनाग) में आयोजित 28वीं सब जूनियर, 39वीं जूनियर एवं 39वीं सीनियर पुरुष एवं महिला राष्ट्रीय रस्साकसी चैंपियनशिप-2026 में उत्तर प्रदेश की अंडर-19 पुरुष टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में उत्तर प्रदेश की टीम का सामना दिल्ली से हुआ, जिसमें टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान प्राप्त किया।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता से लौटने के बाद सभी खिलाड़ी सर्वप्रथम फतेहपुर सीकरी के सांसद एवं भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार चाहर के आगरा स्थित आवास पहुंचे, जहां सांसद श्री चाहर ने सभी विजेता खिलाड़ियों, उत्तर प्रदेश रस्साकसी संघ के महासचिव एन.के. चक्रवर्ती एवं संयुक्त सचिव संजय कुमार का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

इस अवसर पर सांसद राजकुमार चाहर ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता नहीं बल्कि अनुशासन, समर्पण और राष्ट्र गौरव का माध्यम हैं। फतेहपुर सीकरी क्षेत्र के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर यह सिद्ध किया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि युवा खिलाड़ी निरंतर मेहनत करते रहें, भविष्य में यही खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। खिलाड़ियों को हर संभव सहयोग प्रदान करना उनकी प्राथमिकता है।

उत्तर प्रदेश रस्साकसी संघ के महासचिव एन.के. चक्रवर्ती ने सांसद राजकुमार चाहर का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सांसद जी के आर्थिक सहयोग और प्रोत्साहन के कारण ही खिलाड़ियों को राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिला। खिलाड़ियों ने जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में अपनी प्रतिभा और मेहनत के बल पर रजत पदक जीतकर उत्तर प्रदेश का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि सांसद राजकुमार चाहर द्वारा आयोजित सांसद खेल स्पर्धा से उभरकर आई इसी टीम ने पूर्व में स्वर्ण पदक भी हासिल किया था और अब राष्ट्रीय चैंपियनशिप में रजत पदक जीतकर क्षेत्र, प्रदेश और देश का मान बढ़ाया है। इस अवसर पर खिलाड़ियों ने सांसद राजकुमार चाहर के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके निरंतर मार्गदर्शन, प्रोत्साहन और सहयोग से उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली है। इस अवसर संयुक्त सचिव संजय कुमार, परमवीर चाहर वीरू फौजदार, सचिन गोयल, रौनक कुमार, देव कुमार सहित रस्साकसी टीम उपस्थित रही।

फतेहपुर सीकरी में 6 करोड़ से होगा कायाकल्प: बाबूलाल

● टीनएफ टुडे ●

फतेहपुर सीकरी। विधायक चौधरी बाबूलाल की पहल पर पर्यटन और स्थानीय नागरिकों की सुविधाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से आगरा विकास प्राधिकरण (एडीए) के उपाध्यक्ष/सचिव को पत्र भेजकर पथकर निधि एवं अवस्थापना निधि से सात महत्वपूर्ण विकास कार्य कराने का प्रस्ताव 04 अप्रैल 2026 को पत्र के माध्यम से दिया था। जिसमें फतेहपुर सीकरी क्षेत्र के समग्र विकास के लिए कई जनहितकारी कार्यों को प्राथमिकता देने की मांग की थी। इनमें फतेहपुर सीकरी रेलवे स्टेशन से शाहकुली तक लगभग 100 मीटर सड़क का चौड़ीकरण एवं नाली निर्माण, सतफेरा से जोताना तक करीब 352 लाख से सड़क निर्माण, करीब 300 मीटर गंदे नाले को पक्का कराने, तेरह मोरी बांध पर पर्यटन स्थल (झील चौपाटी) विकसित कर बोटिंग जैसी सुविधाएं शुरू कराने, गुलिस्ता पार्किंग से डाक बंगला तक रोपवे निर्माण, बस स्टैंड के पास शुद्ध पेयजल के लिए बोरिंग एवं आरओ प्लांट लगाने तथा ग्वालियर गेट से नई आबादी मोहल्ला इस्लामगंज होते हुए 218 लाख से कच्चे मार्ग को पक्का कराने का प्रस्ताव शामिल है। विधायक चौधरी बाबूलाल ने कहा कि इन विकास कार्यों के पूरा होने से फतेहपुर सीकरी में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी तथा क्षेत्र के आधारभूत ढांचे को मजबूती मिलेगी। उन्होंने एडीए से इन प्रस्तावों को प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृत कर कार्य शुरू कराने का अनुरोध किया था। जिसके बाद विधायक के प्रस्तावों को प्राथमिकता देते हुए एडीए के द्वारा तीन विकासकार्यों को जिनकी लागत छह करोड़ रुपये की मंजूरी प्रदान कर दी गयी है। बाकी बचे विकासकार्यो को भी शीघ्र अनुमति मिलेगी।

पारोली सिकरवार घाट पर अवैध नाव संचालन का वीडियो वायरल

● टीनएफ टुडे ●

फतेहाबाद। तहसील फतेहाबाद क्षेत्र के पारोली सिकरवार यमुना नदी घाट पर अवैध रूप से नाव संचालन का मामला सामने आया है। अवैध रूप से नाव संचालन का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें नाव में कुछ लोगों को बैठाकर और करीब आधा दर्जन मोटर साइकिल रखकर नदी पार करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

प्रशासन की अनदेखी से पारोली सिकरवार यमुना नदी घाट पर कुछ लोगों के द्वारा लोगों की जान से खिलवाड़ किया जा रहा है। नदी में प्राइवेट नाव का संचालन धड़ल्ले से किया जा रहा है, उन्हे किसी का कोई डर नहीं है। इस समय तेज बारिश के कारण यमुना नदी उफान पर आ सकती है और इसी बीच कुछ लोगों के द्वारा नियमों को ताक पर रखकर यमुना नदी के बीच से लोगों की जान जोखिम में डालकर पार कराया जा रहा है, बुधवार को एक वीडियो 19 सेकंड का किसी ने बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया है। जिसमें कुछ लोग और करीब आधा दर्जन मोटरसाइकिल नाव में रखकर यमुना नदी के बीच से पार करा लोगों की जान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। गौरतलब है कि विगत कुछ माह पूर्व इसी पारोली सिकरवार घाट यमुना नदी में फिरोजाबाद के नगला नंदा से माल पुआ खाने जा रहे करीब 30 से 35 महिला पुरुष व 8 मोटर साइकिल को सवार करके ले जा रहा था तभी जैसे ही नाव आगे बढ़ी तो नाव नदी के बीच में फट गई थी नाव फटने से हड़कंप मच गया था, लोगों ने किसी तरह पानी में कूद कर अपनी जान बचाई। तत्कालीन एसडीएम अभय सिंह ने अवैध नाव संचालन को लेकर नायब तहसीलदार फतेहाबाद को जांचकर कार्यवाही के आदेश दिए थे। वहीं तत्कालीन नायब तहसीलदार फतेहाबाद ने मौके पर जाकर देखा तो वहां अवैध रूप से नाव संचालन हो रहा था उसे रुकवाया गया था। और रिपोर्ट एसडीएम को सौंपी थी, एडीएम फतेहाबाद के द्वारा एसीपी फतेहाबाद व एडीएम को अवैध नाव संचालन करने वाले लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की आदेश दिए थे।

उसके बाद प्रशासन की अनदेखी के कारण अवैध नाव संचालन जोरों पर चल रहा है और वह लोगों की जान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

प्रतिभाओं को कला तरासने का मौका देगा टीएनएफ टुडे

आगरा। कला प्रतिभाओं को मंच देने के लिए टीएनएफ टुडे ने एक पहल शुरू की है। डा. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के पालीवाल पार्क स्थित कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी हिंदी तथा भाषा विज्ञान विद्यापीठ के सहयोग से साप्ताहिक कला मंचन का आयोजन किया जायेगा। इसका उद्देश्य कला प्रतिभाओं को उनकी कला तरासने के लिए मंच प्रदान करना है। इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। कार्यक्रम के तहत प्रत्येक शुक्रवार को दोपहर दो बजे विश्वविद्यालय के केएमआई विद्यापीठ स्थित सूर कक्ष में आयोजन किया जाएगा।

हादसे में घायल किशोर की मौत

फतेहाबाद। कस्बा फतेहाबाद के बाह रोड बाईपास पर विगत रविवार को सड़क किनारे सो रहे लोगों को शराब के नशे में डंपर चालक ने रौंद दिया था जिसमें इलाज के दौरान मंगलवार को एक घायल बच्चे ने भी दम तोड़ दिया सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। औरैया थाना महुआ सूड़ी गढ़ा हरौली निवासी रामा राशि उर्फ शाहरुख पुत्र मोहम्मद रफीक आगरा से परिवार के लोगों के साथ दवा लेकर घर जा रहे थे। तभी रात हो जाने के कारण विगत रविवार को कस्बा फतेहाबाद के बाह रोड बाईपास पर मोटरसाइकिल से जुड़ी टिर्री में सो गए थे। इसी दौरान आगरा से बाह की ओर जा रहे डंपर चालक ने टिर्री को रौंद दिया था। जिसमें शहनूर पुत्र सुनील की मौके पर मौत हो गई थी। जबकि उसकी मां फन्ना, बहन जायरा व भाई भैंहरा उर्फ कन्नू उम्र 13 बर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए थे। जहां मंगलवार की रात भैंहरा उर्फ कन्नू ने भी इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

निमार्णाधीन नाले में धंसी पशुपालन विभाग की एंबुलेंस

फतेहाबाद। बुधवार को फतेहाबाद स्थित पशु चिकित्सालय से निकलते समय पशुपालन विभाग की एंबुलेंस निमार्णाधीन नाले में फंस गई। घटना उस समय हुई जब अस्पताल तक वाहनों के आवागमन के लिए निमार्णाधीन नाले पर अस्थायी रूप से मिट्टी डालकर रास्ता बनाया गया था। बुधवार को हुई मूसलाधार बारिश के कारण कस्बे में नगर पंचायत के द्वारा नाला निर्माण के लिए खुदी मिट्टी जो कि सड़क पर पड़ी हुई थी नरम हो गई थी। जैसे ही पशुपालन विभाग की एंबुलेंस उस रास्ते से निकलने लगी, मिट्टी धंस गई और एंबुलेंस का पहिया नाले में फंस गया। इससे एंबुलेंस बीच रास्ते में ही अटक गई। घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल कर्मी और स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए। कड़ी मशक्कत के बाद एंबुलेंस को सुरक्षित बाहर निकाला जा सका। वहीं लोगों का कहना है कि अस्पताल तक पहुंचने के लिए मिट्टी को साफ कराया जाए, ताकि बारिश के दौरान इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों और आपातकालीन सेवाएं बाधित न हों।

ब्राह्मण देश की दिशा, दशा तय करता है: सनातन पांडे

फतेहाबाद। समाजवादी पार्टी के ब्राह्मण सम्मेलन में सपा के सांसद सनातन पांडे ने कहा कि ब्राह्मण देश की दिशा और दशा तय करता है। वह सत्ता का भूखा नहीं है। लेकिन सत्ता पर कौन योग्य राजा बैठेगा, यह ब्राह्मण तय करता है। उन्होंने कहा है कि गुजरात से आए चार लोग इस देश को चला रहे हैं। जिसमें दो लोगों के द्वारा देश को बेचा जा रहा है। उन्होंने कहा है कि पुलिस को किसी को गोली मारने का अधिकार नहीं है। यह काम न्यायपालिका का होता है लेकिन योगी जी के द्वारा अपनी पुलिस के माध्यम से लोगों के नृशंहार हत्याएं की जा रही हैं। कार्यक्रम में सपा नेता राजेश शर्मा, महेश सिसोदिया, सुधीर दुबे, श्रीकृष्ण वर्मा, सौरभ शर्मा, शैलेश यादव, शिवकुमार शर्मा प्रधान, राजेश शर्मा, इंद्रजीत मुखिया, आशीष शर्मा सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

खेरागढ़ तहसील परिसर में भरा पानी

खेरागढ़। मंगलवार रात से शुरू हुई तेज बारिश के कारण तहसील परिसर पानी से लबालब भर गया। दिनभर रुक-रुक कर बूंदाबांदी और ठंडी हवाएं चलती रहीं, जिससे लोगों ने उमस और गर्मी से राहत महसूस की ,हालांकि खराब मौसम के चलते तहसील में जरूरी कार्यों से जुड़े लोग ही पहुंचे, और सामान्य दिनों की तुलना में भीड़ काफी कम रही। बारिश का असर बाजारों पर भी देखने को मिला। हल्की बूंदाबांदी के कारण अधिकांश लोग घरों में ही रहे, जिससे बाजारों में दिनभर सन्नाटा पसरा रहा।वही किसानों के लिए यह बारिश राहत और चिंता की स्थिति बन गई है,जिन किसानों ने बाजरा, मक्का सहित खरीफ फसलों की बुवाई पहले ही कर दी है, वे लगातार बारिश से उग आई फसल,एवं खेतों में बोए बीज के खराब होने की आशंका को लेकर चिंतित हैं। दूसरी ओर जिन किसानों ने अभी तक बुवाई नहीं की थी, उनके लिए बुवाई का का सही अवसर है। बारिश के चलते खेतों में भी पानी भर गया है। किसानों का कहना है कि अब बारिश थमने के बाद खेतों में जुताई होने में करीब एक सप्ताह का समय लगेगा और बुवाई हो सकेगी।

TNF TODAY
टीएनएफ टुडे
थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे
tnftoday tnftoday
www.tnftoday.com / epaper

बारिश में ढही दो मंजिला दुकान, पांच दबे

लोगों की मदद से पुलिस ने चार को निकाला बाहर

- नगर निगम की टीम और पुलिस-प्रशासन के अधिकारी पहुंचे

● टीनएफ टुडे ●

आगरा। रात से हो रही बारिश के कारण बुधवार दोपहर तीन सुड्डाष बाजार में दो मंजिला कपड़े की दकान ड्डारड्डाराकर गिर गई। जिससे मलबे में पांच लोग दब गए। हादसे से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और क्षेत्रीय लोग मलबे में दबे लोगों को निकालने में जुट गए। सूचना पर डीसीपी सिटी और जिलाधिकारी मौके पर पहुंच गए और लोगों की मदद से पुलिस ने चार लोगों को बाहर निकाल लिया। मलबे में एक महिला के दबने की आशंका को लेकर रेस्क्यू आपरेशन जारी था।

नाले पर बनी है दुकान

सुभाष बाजार मंटोला में एक कपड़े की दुकान नाले के ऊपर बनी हुई है। दुकान राधा स्वामी क्लाथ स्टोर के नाम से है। बुधवार को दोपहर करीब तीन बजे दुकान पर सामान खरीदने वालों की भीड़ जमा थी। इस बीच मंगलवार रात और बुधवार सुबह से हो रही बारिश के कारण दुकान गिर गई। जिससे मलबे में पांच लोग दब गए। लोगों के दबने से वहां चीख पुकार मच गई। बढ़ी संख्या में लोग आ गए और मलबे में दबे लोगों को निकालने लगे।

पुलिस-प्रशासन मौके पर पहुंचा

हादसे की जानकारी पर डीसीपी सिटी सैय्यद अली और जिला अधिकारी मनीष बंसल के अलावा नगर निगम की टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने लोगों की मदद से चार लोगों को बाहर निकाल लिया था। एक महिला के दबने की आशंका को लेकर पुलिस को रेस्क्यू आपरेशन जारी था। फायर सर्विसेज की गाड़ी भी पहुंच गई। इधर मलबे से निकाले गए लोगों को पुलिस ने एसएन अस्पताल में भेज दिया था।

ढुकान की नींव थी कमजोर

बताया जा रहा है दुकान वर्षो पुरानी है। इस कारण दुकान की नींव कमजोर थी। नींव कमजोर होने के कारण गिर गई। दुकान नगर निगम ने बनाई थी। अधिकारियों का कहना है इसकी जांच की जा रही है।

कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की प्रेरणादायी पहल

विश्वविद्यालयों में उत्कृष्ट शिक्षकों को मिलेगा 'बेस्ट टीचर अवार्ड'

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय ने आमंत्रित किए आवेदन

● टीनएफ टुडे ●

आगरा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए बेस्ट टीचर अवार्ड हेतु नियमित एवं स्थायी शिक्षकों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। चयनित शिक्षकों को आगामी दीक्षांत समारोह-2026 में सम्मानित किया जाएगा। इस योजना के तहत कुल चार पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इनमें तीन पुरस्कार विश्वविद्यालय से संबद्ध सहायता प्राप्त एवं राजकीय महाविद्यालयों के शिक्षकों तथा एक पुरस्कार विश्वविद्यालय के विभागों एवं संस्थानों के शिक्षक को दिया जाएगा। विशेष बात यह है कि पहली बार संबद्ध सहायता प्राप्त और राजकीय महाविद्यालयों के शिक्षकों को भी इस सम्मान के लिए आवेदन का अवसर मिला है। पुरस्कार के लिए सहायता प्राप्त महाविद्यालयों, राजकीय महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालय के विभागों एवं संस्थानों के नियमित एवं स्थायी प्राचार्य, प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और असिस्टेंट प्रोफेसर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन पत्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

शोध, नवाचार और शिक्षण कार्य का होगा मूल्यांकन

विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार मूल्यांकन में नवाचार आधारित शिक्षण, शोध कार्य, शोध प्रकाशन, पुस्तक प्रकाशन, परीक्षा संबंधी दायित्व, संस्थागत योगदान, विस्तार गतिविधियां, पुरस्कार तथा अन्य शैक्षणिक उपलब्धियों को निर्धारित मानकों के अनुसार शामिल किया जाएगा। आवेदन में किए गए प्रत्येक दावे के समर्थन में प्रमाणिक दस्तावेज संलग्न करना अनिवार्य होगा।

10 जुलाई तक आवेदन, 15 तक जमा करनी होगी हार्ड कॉपी

आवेदन पत्र संबंधित संस्थान के गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ से सत्यापित एवं प्राचार्य, विभागाध्यक्ष या निदेशक से प्रमाणित कर ई-मेल के माध्यम से 10 जुलाई 2026 तक भेजे जा सकते हैं। इसके साथ ही आवेदन की प्रमाणित हार्ड कॉपी आवश्यक दस्तावेजों सहित 15 जुलाई 2026 तक विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ में जमा करनी होगी।

चाणक्य की तरह बनाएं संस्कारशील पीढ़ी: बेबीरानी मौर्य

● टीनएफ टुडे ●

आगरा। मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना एवं डीबीटी वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ बुधवार को राव कृष्णपाल सिंह ऑडिटोरियम, आरबीएस कॉलेज खंदारी में आयोजित कार्यक्रम में किया गया। कार्यक्रम में महिला कल्याण एवं बाल विकास पुष्टाहार मंत्री बेबीरानी मौर्य, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. मंजू भदौरिया, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रशांत पौनिया, जिलाधिकारी मनीष बंसल तथा मुख्य विकास अधिकारी प्रतिभा सिंह मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ हुआ। इस दौरान वाराणसी से मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी देखा गया। कार्यक्रम में सरस्वती वंदना और स्वागत गीत की प्रस्तुति दी गई।

12 लाख शिक्षकों और परिवारों को मिलेगा लाभ

मंत्री बेबीरानी मौर्य ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षकों, शिक्षा विभाग के कर्मचारियों और उनके आश्रितों की स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज और राष्ट्र निर्माण की आधारशिला हैं। विद्यार्थियों को केवल पुस्तक ज्ञान ही नहीं, बल्कि नैतिक मूल्य, अनुशासन और जीवन कौशल भी प्रदान किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के तहत बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के शिक्षकों, अनुदेशकों, विशेष शिक्षकों, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के शिक्षकों, वार्डनों, रसोइयों तथा उनके आश्रितों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा का लाभ मिलेगा। योजना से प्रदेश के करीब 12 लाख शिक्षकों और उनके परिवारों को लाभान्वित किया जाएगा।

डीबीटी से मिलेगी 1200 रुपये की सहायता

कार्यक्रम में बताया गया कि डीबीटी के माध्यम से 1.10 करोड़ विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म, जूते, मोजे, स्वेटर, बैग और स्टेशनरी के लिए प्रति छात्र-छात्रा 1200 रुपये की सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। वहीं शिक्षकों और संविदा कर्मियों की सामाजिक सुरक्षा के लिए बैंक के साथ समझौता भी किया गया है। इस अवसर पर शिक्षकों और लाभार्थियों को कैशलेस चिकित्सा प्रमाणपत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर चयनित स्वच्छ एवं हरित विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को भी सम्मानित किया गया।

पत्नी के हत्यारोपी को जेल भेजा

आगरा। थाना ताजगंज पुलिस ने पत्नी के हत्यारोपी को बुधवार न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया। युवक ने रंजिश को लेकर ससुराल कोल्हाई में पत्नी की चाकू से गोदकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने मौके पर जाकर हत्यारोपी पति को मय चाकू से पकड़ लिया था। बता दें ताजगंज के कोल्हाई मोहल्ला निवासी कुंती देवी की शादी 21 साल पहले डौकी स्थित कुंडौल, पवावली निवासी रणवीर उर्फ रानू से हुई थी। रणवीर एक कोल्ड स्टोरेज में मजदूरी करता है।

उसके एक बेटा और एक बेटी है। एसीपी ताज सुरक्षा यतेंद्र नागर ने बताया कि पति-पत्नी के बीच एक साल से विवाद चल रहा था। पति के शराब पीने और पिटाई से परेशान होकर कुंती मायके आ गई थीं। कोर्ट में मामला विचाराधीन था। मंगलवार सुबह रणवीर अपने पिता राम प्रसाद के साथ घर आया। उसने कुंती पर घर चलने का दबाव बनाया। मगर वह घर नहीं जाना चाहती थी। इसलिए मना कर दिया। इससे वो नाराज हो गया। एक घंटे बाद पिता को लेकर चला गया था। शाम तकरीबन चार बजे बजे वह शराब पीकर फिर से घर आया। घर के बाहर बाइक लगाई अंदर घुस आया। कुंती कुछ समझ पाती, उससे पहले ही उसने उनके बाल पकड़ लिए। आरोपी कुंती को बाल पकड़कर बाहर घसीटते हुए ले जाने लगा। उसने विरोध किया तो चाकू निकाल लिया। इसके बाद उसके सीने, पेट और हाथ पर ताबड़तोड़ छह प्रहार कर हत्या कर दी।

आरबीएस कॉलेज: बीए प्रथम सेमेस्टर की कटऑफ आज

आगरा। राजा बलवंत सिंह महाविद्यालय के यशस्वी प्राचार्य प्रो.(डॉ.) विजय श्रीवास्तव ने बताया कि गुरुवार को महाविद्यालय के मुख्य परिसर स्थित छात्र कल्याण भवन में सभी वर्गों के अभ्यर्थियों की काउंसलिंग होगी । अभ्यर्थी काउंसलिंग के समय अपने समस्त मूल प्रमाणपत्रों के साथ उपस्थित रहें। काउंसलिंग का समय प्रातः 11:00 बजे से 2:00 तक रहेगा।विस्तृत जानकारी के लिए महाविद्यालय की वेबसाइट देखें।

लाडो प्रोडक्शन ने फिर मचाई भक्ती की धूम

आगरा। लाड़ो प्रोडक्शन ने एक बार फिर नई वीडियो के माध्यम से भक्तिमय माहौल प्रस्तुत किया है। इस अवसर पर राधा रानी को समर्पित भक्ति गीत राधा राधा का निर्माण किया गया। इस गीत के निर्देशक पंकज शर्मा ने बताया कि इस प्रस्तुति के माध्यम से वे राधा रानी के प्रति प्रेम, भक्ति और समर्पण का संदेश देना चाहते हैं। राधा राधा के जरिए श्रद्धा, प्रेम और भक्ति की भावना को सुंदर रूप में दर्शार्या गया है। इस गीत को निखिल दत्त द्वारा लिखा गया है। वीडियो में राधा रानी की भूमिका सोनाली गोला ने निभाई है। सभी कलाकारों ने अपनी-अपनी भूमिकाएं अत्यंत प्रभावशाली ढंग से निभाईं, जिससे यह प्रस्तुति और भी भव्य एवं भावपूर्ण बन गई।फि ल्म लेखक निर्देशक सूरज तिवारी ने गीत के लिए बधाई दी और कहा कि इस तरह के गीत ब्रज मंडल को अपने आप को बताने का काम करेंगें जिससे ब्रज सिनेमा को गति मिलेगी ।

शोरूम के ताले तोड़कर आभूषण चोरी

आगरा। फतेहाबाद रोड पर चोरों ने जीवा शोरूम के मंगलवार रात ताले चटका दिए। चोर शोरूम से लाखों के गहने और डायमंड ज्वेलरी चुराकर ले गए। चोरी की जानकारी सुबह शोरूम के कर्मचारियों के पहुंचने पर हुई। मौके पर पुलिस अधिकारियों के अलावा थाना ताजगंज का फोर्स और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई। फतेहाबाद रोड पर जीवा के नाम से शोरूम है। सुबह करीब 11 बजे कर्मचारी शोरूम को खोलने के लिए पहुंचे। उन्होंने शटर में लगे तालों को टूटा देखा। उन्होंने शोरूम मालिक को सूचना दी। वे तत्काल पहुच गए।

जिला संगठन मंत्री अरुण, जिला महामंत्री सुशील मनोनीत

आगरा। विश्व हिंदू महासंघ के ब्रिज प्रदेश प्रभारी गौरव राय के सानिध्य में जिला अध्यक्ष गौ रक्षा प्रकोष्ठ राजेंद्र गुप्ता ने संजय प्लेस स्थित कार्यालय पर एक आवश्यक बैठक की। अपने जिले की कार्यकारिणी का विस्तार किया' जिसमें विश्व हिंदू महासंघ के संगठन मंत्री के पद पर अरुण कुमार सिंह धनगर तथा विश्व हिंदू महासंघ के महामंत्री पद पर सुशील कुमार को मनोनीत किया गया। जिला अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता जी ने कहा कि हमारे जनप्रिय माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के कार्यकलापों को जन-जन तक पहुंचना है। उनके कार्यों का प्रचार प्रसार करें तथा गायों की सेवा ही सबसे बड़ा कार्य है' यदि कोई गायों के ऊपर अत्याचार करें तो तुरंत ही पुलिस को सूचना दें और आवश्यक कार्रवाई करें। जिला अध्यक्ष राजेंद्र गुप्ता ने कहा कि संगठन की रूपरेखा पर विचार विमर्श किया। उन्होंने कहा कि अति शीघ्र ही संगठन का विस्तार किया जाएगा।

देश की सुरक्षा की रीढ़ है सैन्य संचार तकनीक: कर्नल दीपक

आगरा। वन यूपी बटालियन एनसीसी, आगरा द्वारा आयोजित दस दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (सीएटीसी-6) जो श्री राम आदर्श महाविद्यालय पनवारी में चल रहा है। में कैंप के कमांडिंग आफिसर कर्नल दीपक जुयाल ने सैन्य संचार तकनीकी पर कैडिटों को व्याख्यान दिया विषय को आसानी से समझने हेतु

विभिन्न प्रकार के संचार माध्यमों जैसे लैपटॉप, बोर्ड आदि का प्रयोग किया। उन्होंने कहा कि संचार तंत्र किसी भी संगठन का महत्वपूर्ण अंग होता है। जसकी सहायता से दो या दो से अधिक व्यक्ति अपनी भावनाओं को संप्रेषित करते हैं। इसलिए सेना में भी संचार तंत्र का बहुत महत्व है। कर्नल जुयाल ने प्राचीन समय में कबूतरों के माध्यम से संचार होने से लेकर वर्तमान में मिलिट्री कम्युनिकेशन तक का वर्णन किया। लाइन कम्युनिकेशन, रेडियो कम्युनिकेशन व रेडियो कम्युनिकेशन के प्रकारों को उदाहरण के माध्यम से कैडिटों को समझाया। कैम्प में सूबेदार मेजर निर्मल सिंह व ट्रेनिंग जेसीओ नायब सूबेदार एच आर यादव ने बताया कि आज कैडिटों को हथियारों का प्रक्षिक्षण, टेंट पिकटिंग, ड्रिल, गार्ड ऑफ ऑनर आदि की तैयारी कराई। कैम्प में मेजर शंभूजी पांडे, कैप्टेन मनीष कुमार, लेफ्टिनेंट वरुण कुमार ,जी सी आई संजना उपस्थित रहे। कैंप में हवलदार जयंत दत्ता, धीरज कुमार गुरंग(ट्रेनिंग एनसीओ), हवलदार रूपेश कुमार, हवलदार सिलाश थापा, हवलदार हुकुम सिंह, हवलदार बेगम थापा, हवलदार मनविंदर सिंह, हवलदार हरदीप सिंह, हवलदार पवन रेग्मी, हवलदार अभिषेक सिंह ने कैडिटों को हथियारों को संचालन करने का प्रशिक्षण दिया।

निर्भय सागर महाराज का मंगल प्रवेश

आगरा। आगरा वैज्ञानिक संत आचार्य श्री 108 निर्भय सागर जी महाराज ससंघ का बुधवार को छिपीटोला से मंगल विहार करते हुए ट्रांस यमुना कॉलोनी स्थित श्री 1008 चंद्रप्रभ दिगंबर जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। आचार्य श्री 10 पिच्छीधारी संघ के साथ मंदिर पहुंचे, जहां बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने ढोल-नगाड़ों एवं जयघोष के बीच उनका भावभीना स्वागत किया। मंदिर परिसर धर्ममय वातावरण से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने आचार्य श्री के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा मंगल विहार को सौभाग्य का अवसर बताया। इस अवसर पर श्री दिगंबर जैन समिति, ट्रांस यमुना कॉलोनी के पदाधिकारियों एवं समाज के गणमान्य नागरिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। स्वागत समारोह में जितेंद्र जैन 'बंटी', धर्मेंद्र जैन, राजीव जैन, मोहित जैन, वैभव जैन, पंकज जैन, कमल जैन, प्रशांत जैन, संजीव जैन, ऋषभ जैन, ऋतिक जैन, संयम जैन, केतन जैन, सिद्ध शरण, राजेश जैन, प्रीति जैन, तृप्ति जैन, पारुल जैन, पूजा जैन, संगीता जैन, सपना जैन सहित नवदेव चरण चेतना मंच छिपीटोला के सदस्य एवं ब्रह्मचारिणी दीदी लवली तथा दीदी झिलमिल सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। स्वागत समारोह में जितेंद्र जैन 'बंटी', धर्मेंद्र जैन, राजीव जैन, मोहित जैन, वैभव जैन, पंकज जैन, कमल जैन, प्रशांत जैन, संजीव जैन, ऋषभ जैन, ऋतिक जैन, संयम जैन, केतन जैन, सिद्ध शरण, राजेश जैन, प्रीति जैन, तृप्ति जैन, पारुल जैन, पूजा जैन, संगीता जैन, सपना जैन सहित नवदेव चरण चेतना मंच छिपीटोला के सदस्य एवं ब्रह्मचारिणी दीदी लवली तथा दीदी झिलमिल सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। आचार्य श्री के मंगल विहार के उपरांत श्रद्धालुओं के लिए जलपान की व्यवस्था भी समिति द्वारा की गई। पूरे आयोजन में धार्मिक उल्लास एवं अनुशासित वातावरण देखने को मिला। नियमित कार्यक्रम अमृतमयी प्रवचन झ्र प्रातः 7:30 बजे आहारचर्या झ्र प्रातः 8:30 बजे शंका समाधान झ्र सायं 6:30 बजे वैयावृत्ति झ्र रात्रि 8:30 बजे श्री दिगंबर जैन समिति, ट्रांस यमुना कॉलोनी ने समस्त धमार्नुरागी बंधुओं से निर्धारित समय पर मंदिर पहुंचकर आचार्य श्री के सान्निध्य में धर्म लाभ प्राप्त करने एवं पुण्य अर्जित करने की अपील की है।

सुजाता और पूजा बनी आत्मनिर्भर

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान से बदली दो महिलाओं की तकदीर

आगरा। उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना युवाओं एवं महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रभावी साबित हो रही है। जनपद आगरा में इस योजना के माध्यम से अनेक लाभार्थियों ने अपने उद्योग स्थापित कर आर्थिक रूप से सशक्त बनने के साथ अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध कराया है। इसी क्रम में दो महिला उद्यमियों की सफलता की कहानी अन्य युवाओं एवं महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनी है। आगरा के सदर बाजार, सवेरा होटल क्षेत्र निवासी एक महिला लाभार्थी सुजाता ने बताया कि वह गृहिणी थीं और स्वयं का व्यवसाय शुरू करना चाहती थीं, लेकिन आर्थिक संसाधनों के अभाव एवं बैंक ऋण पर अधिक ब्याज दर के कारण यह संभव नहीं हो पा रहा था। समाचार पत्र के माध्यम से उन्हें मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान की जानकारी मिली। जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र, आगरा से संपर्क कर ऑनलाइन आवेदन करने के बाद उनका आवेदन स्वीकृत हुआ तथा इंडियन ओवरसीज बैंक, शाखा शाहगंज से फुटवियर मैन्युफैक्चरिंग उद्योग के लिए ?5 लाख का ब्याजमुक्त ऋण प्राप्त हुआ। इसके साथ ही सरकार द्वारा ?50 हजार का अनुदान भी दिया गया। वर्तमान में उनकी इकाई सफलतापूर्वक संचालित हो रही है तथा उन्होंने पाँच लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया है। उनके उत्पाद मेलों एवं विदेशी पर्यटकों के बीच भी लोकप्रिय हो रहे हैं।

एसएन: ओपीडी की छत से टपका पानी

मरीजों, तीमारदारों और डॉक्टरों पर गिरता रहा पानी

● टीनएफ टुडे ●

आगरा। मंगलवार रात और बुधवार से हो रही बारिश के कारण एसएन मेडिकल कॉलेज की ओपीडी की छत से पानी टपकने लगा। ओपीडी में खड़े मरीज, तीमारदार और डॉक्टरों को पानी का सामना करना पड़ा। दिनभर पानी की बूंदें उनके ऊपर गिरती रहीं। एसएन की ओपीडी में आए मरीजों और तीमारदारों ने पानी से बचने के लिए सिर को ढक लिया था। फर्श पर गिर रहे पानी से वहां फिसलन भी पैदा हो गई। उन्हें डर था गिरने से चोट न आ जाए, लेकिन मजबूर होकर उनको इसी रास्ते से निकलना पड़ा।

मरीजों को उठानी पड़ी परेशानी

मरीज कमलेश ने बताया कि जब वह ओपीडी से बाहर निकल रही थीं, तभी छत से पानी सीधे उनके सिर पर गिरा। ओपीडी में आने-जाने वाले लोगों को इसी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। गीले फर्श के कारण मरीजों, बुजुर्गों और तीमारदारों को दिक्कत हुई। इधर प्राचार्य का कहना था जानकारी में आया है। ठेकेदार को कहकर ठीक करा दिया जाएगा।

जिला कारागार: महिला बैरक में लगा विधिक जागरूकता शिविर

● टीनएफ टुडे ●

आगरा। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निदेर्शानुसार तथा माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संजय कुमार मलिक के मार्गदर्शन में बुधवार को जिला कारागार की महिला बैरक में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कारागार के अधीक्षक हरिओम शर्मा, उप कारापाल अंजनी कुमार, मेघा एवं कारागार के कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

शिविर में उपस्थित महिला बंदियों को उनके संवैधानिक एवं विधिक अधिकारों, निःशुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत, महिला संरक्षण संबंधी कानूनों, घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम, दहेज प्रतिषेध अधिनियम, महिलाओं एवं बच्चों के अधिकारों तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही बंदियों को यह भी बताया गया कि आर्थिक अथवा अन्य किसी कारण से न्याय प्राप्त करने में असमर्थ व्यक्तियों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा निःशुल्क अधिवक्ता एवं विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। कार्यक्रम के दौरान महिला बंदियों की समस्याओं एवं जिज्ञासाओं को गंभीरतापूर्वक सुना गया तथा उनके विधिक समाधान के संबंध में आवश्यक परामर्श प्रदान किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला कारागार, आगरा में महिला बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न सुविधाओं, जैसे स्वच्छ एवं सुरक्षित आवास, शुद्ध पेयजल, गुणवत्तापूर्ण भोजन, चिकित्सा सुविधा, स्वच्छता व्यवस्था, परामर्श सेवाएँ तथा आवश्यक दैनिक उपयोग की वस्तुओं की उपलब्धता का अवलोकन किया गया। साथ ही महिला बंदियों के स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं गरिमापूर्ण जीवन हेतु की जा रही व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया गया।

'मेरी नजर से आगरा' फोटोग्राफी प्रतियोगिता शुरू

20 जुलाई तक भेज सकेंगे प्रविष्टियां, चयनित प्रतिभागियों को मिलेगा प्रशस्ति-पत्र

● टीनएफ टुडे ●

आगरा। जनपद की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पर्यटन विरासत को नई पहचान देने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने ऑनलाइन फोटोग्राफी प्रतियोगिता ह्यमेरी नजर से आगराह्ल शुरू की है। जिलाधिकारी मनीष बंसल के नेतृत्व में आयोजित इस प्रतियोगिता के माध्यम से आगरा की खूबसूरती, संस्कृति, जनजीवन और विरासत को नागरिकों की नजर से प्रदर्शित किया जाएगा। प्रतियोगिता में कोई भी शौकिया या पेशेवर छायाकार निःशुल्क भाग ले सकता है। प्रतिभागी ताजमहल, आगरा किला, फतेहपुर सीकरी, एतमाद-उद-दौला, सिकंदरा, बटेश्वर मंदिर, चंबल क्षेत्र समेत जनपद के किसी भी नगर या ग्रामीण क्षेत्र से जुड़े मौलिक छायाचित्र भेज सकते हैं। प्रत्येक चित्र के साथ अधिकतम 30 शब्दों का विवरण, प्रतिभागी का नाम, पता और मोबाइल नंबर देना अनिवार्य होगा।

मौलिक चित्र ही होंगे स्वीकार

जिला प्रशासन के अनुसार केवल प्रतिभागी द्वारा स्वयं खींचे गए मौलिक छायाचित्र ही मान्य होंगे। इंटरनेट या अन्य स्रोतों से लिए गए चित्रों को स्वीकार नहीं किया जाएगा। प्रविष्टियां 20 जुलाई तक ई-मेल के माध्यम से भेजी जा सकेंगी।

सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टियों को मिलेगा सम्मान

चयनित श्रेष्ठ छायाचित्रों के रचनाकारों को जिलाधिकारी द्वारा प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए जाएंगे। साथ ही चयनित छायाचित्रों को छायाकार के नाम सहित जनपद की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रदर्शित किया जाएगा। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कहा कि आगरा केवल ताजमहल तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां की संस्कृति, शिल्प, परंपराएं और जनजीवन भी इसकी पहचान हैं। यह प्रतियोगिता नागरिकों को अपने शहर को अपनी दृष्टि से प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करेगी। उन्होंने विद्यार्थियों, छायाकारों और आमजन से प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए धीरज शर्मा द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।
संपादक: धीरज शर्मा, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com
पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

सम्पादकीय

नॉटिंघम का क्रूर सच और दरकता खेल शिष्टाचार

नॉटिंघम के ट्रेंट ब्रिज मैदान पर भारतीय क्रिकेट टीम का महज 76 रनों पर ढेर हो जाना सिर्फ एक मैच की हार नहीं, बल्कि भारतीय क्रिकेट के आत्मगौरव पर एक गहरा आघात है। 125 रनों की यह करारी शिकस्त रनों के लिहाज से भारत की टी-20 इतिहास की सबसे बड़ी और सबसे शर्मनाक पराजय के रूप में दर्ज हो गई है। खेल में हार-जीत स्वाभाविक है, लेकिन जिस तरह भारतीय बल्लेबाजों ने महज 11.4 ओवरों में घुटने टेक दिए, उसने टीम की तकनीक, मानसिक दृढ़ता और चयनकताओं की रणनीति की कलई खोलकर रख दी है। कप्तान श्रेयस अय्यर का इस प्रदर्शन को 'अट्रोसियस' (अत्यंत निराशाजनक) कहना यह साबित करता है कि संकट कितना गहरा है।यह हार इसलिए भी अधिक पीड़ादायक है क्योंकि यह आधुनिक क्रिकेट के उस बदरंग चेहरे को उजागर करती है, जहां खेल की तहजीब को मलबे में तब्दील कर दिया गया है। आज का इंग्लैंड जिस आक्रामक और हिंसक क्रिकेट का प्रदर्शन कर रहा है, वह 1970 के दशक के वेस्टइंडीज की याद दिलाता है। अंतर सिर्फ इतना है कि उस दौर में सर सुनील गावस्कर जैसे दिग्गज बिना हेलमेट के, अपनी जांबाज तकनीक और फौलादी इरादों से शरीर पर आती हुई गेंदों का करारा जवाब देते थे। तब खेल में एक गरिमा थी। आज मैदान पर शौर्य की जगह अभद्रता (स्लेजिंग) ने ले ली है। क्रिकेट को 'जेंटलमैन गेम' कहा जाता था, लेकिन आज विरोधी खिलाड़ियों के चेहरे को निशाना बनाकर गेंदें फेंकना और मानसिक रूप से प्रताड़ित करना खेल नीति नहीं, बल्कि अमानवीयता की श्रेणी में आता है। वैभव सूर्यवंशी जैसे किशोर और उभरते हुए युवा खिलाड़ियों को जिस तरह के खौफनाक और अनैतिक दबाव में झोंका जा रहा है, वह खेल भावना का खुला कत्ल है। इतिहास गवाह है कि जब-जब एशियाई देशों (विशेषकर भारत) की खेल प्रतिभाएं दुनिया पर हावी होने लगती हैं, तब-तब यूरोपीय देश नियम-कानूनों की बिसात बदलकर हमें कमजोर करने का प्रयास करते हैं। चाहे हॉकी में टर्फ और नियमों का बदलाव हो या क्रिकेट में पिचों और आक्रामकता की परिभाषा बदलना, वैश्विक खेल कूटनीति हमेशा एशिया के खिलाफ झुकी हुई नजर आती है। वैभव और हमारी सांस्कृतिक खेल-लय को जिस प्रकार से कुचलने का प्रयास किया जा रहा है, उस पर अंतरराष्ट्रीय खेल संगठनों को आत्ममंथन करना होगा। मुख्य कोच गौतम गंभीर और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के लिए यह अलार्म बजाने का वक्त है। केवल पैसों की चमक और आईपीएल के आंकड़ों के दम पर विदेशी सरजमीं पर जंग नहीं जीती जा सकती। यदि भारतीय खेमे को इस दर्द और जिल्लत से उबरना है, तो उसे अपनी जड़ों की ओर लौटना होगा, तकनीक को सुधारना होगा और विदेशी कूटनीति का जवाब ईंट का जवाब पत्थर से देने वाली रणनीतिक चतुरता से देना होगा।

सतलुज पर प्रतिबंध से उठते सवाल

आजादी के बाद भारत ने जिस उदार लोकतांत्रिक व्यवस्था को अपनाया, उसके कारण विश्व मानचित्र में भारत का विशेष स्थान बना। इस व्यवस्था में आम जनता को अपनी सरकार चुनने के साथ-साथ अभिव्यक्ति की आजादी भी हासिल हुई, जो लोकतंत्र के लिए अनिवार्य है। लेकिन उस आजादी पर बार-बार पहरा लगाना स्वस्थ लोकतंत्र की निशानी नहीं है। इसका ताजा उदाहरण ओटीटी प्लेटफॉर्म जी-5 पर प्रदर्शित फिल्म पर प्रतिबंध के तौर पर सामने आया है। गायक-अभिनेता दिलजीत दोसांझ अभिनीत फिल्म सतलुज तीन जुलाई को जी-5 पर रिलीज हुई थी, लेकिन पांच जुलाई को इसे प्लेटफॉर्म से हटा दिया गया था। यह फिल्म मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा के जीवन पर आधारित है, जिन्होंने खालिस्तान आंदोलन के दौरान बड़ी संख्या में लापता हुए लोगों और लावारिस लाशों का मुद्दा समाज के सामने लाया था और इसमें तत्कालीन पंजाब पुलिस पर बड़े सवाल उठे थे। इस गंभीर मुद्दे को उठाने की कीमत उन्हें अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। लेकिन अब उनके इस जीवन संघर्ष और इंसाफ की लड़ाई को सरकार जनता के सामने नहीं आने देना चाहती है। गौरतलब है कि पहले यह फिल्म 'पंजाब '95' नाम से बनी, जिसे बाद में 'सतलुज' नाम से प्रदर्शित होने की अनुमति मिली, और इसमें कई सारे दृश्यों पर सेंसर की कैंची चली। हालांकि उसके बावजूद फिल्म को दो दिन में ही हटाने का आदेश भी हो गया, जो सोशल मीडिया के इस जमाने में हास्यास्पद लगता है। जब एक बार कोई चीज लोगों के मोबाइल, लैपटॉप पर आ जाती है तो उसे डाउनलोड करना कठिन नहीं है। फिर जिस चीज को जितना लोगों से दूर करने की कोशिश की जाती है, उतना लोग उसे देखना चाहते हैं, यह सहज मानवीय प्रवृत्ति है। तो अगर सरकारें ऐसा सोचती हैं कि कोई फिल्म दो दिन के प्रदर्शन के बाद प्रतिबंधित करने से वह लोगों से दूर हो जाएगी, तो यह उसकी खुशफहमी है। प्रधानमंत्री मोदी पर बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री भी ऐसे ही प्रतिबंधित की गई, लेकिन फिर भी दुनिया भर में लोगों ने उसे देखा।

सभी धार्मिक समूहों के लिए एक चेतावनी है राम मंदिर का मामला

> "धार्मिक संस्थानों के प्रशासन के लिए एक कानूनी राष्ट्रीय आयोग बनाने पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। इसका दायरा किसी खास संप्रदाय तक सीमित नहीं होना चाहिए। इसमें सभी प्रमुख सार्वजनिक धार्मिक संस्थान शामिल होने चाहिए- आय, संपत्ति, सार्वजनिक दान, जमीन या चैरिटेबल कामों के लिए तय सीमा के आधार पर। अखबारों पर सेंसरशिप क्यों लगाई गई थी? विपक्षी नेताओं को जेलों में क्यों डाला गया था?

योध्या राम मंदिर में दान की कथित चोरी ने एक पुराने सवाल को राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बना दिया है: जब आस्था, पैसा और सत्ता बिना पर्याप्त सार्वजनिक जवाबदेही के एक साथ आते हैं, तो धार्मिक संस्थाओं की संपत्ति की सुरक्षा कौन करे? यह मुद्दा केवल अयोध्या या हिंदू संस्थाओं तक सीमित नहीं है। सभी धर्मों में, धार्मिक बंदोबस्त, तीर्थ स्थल, ट्रस्ट, चर्च, मस्जिद, वक्फ संपत्तियां, मठ, गुरुद्वारे और तीर्थ केंद्र लोगों का भारी भरोसा और बड़ी भौतिक संपत्ति रखते हैं। उन्हें नकद दान, गहने, जमीन, प्रतिभूतियां, विदेशी योगदान और डिजिटल भुगतान मिलते हैं। कई संस्थाएं स्कूल, अस्पताल, चैरिटी, हॉस्टल और कल्याणकारी नेटवर्क भी चलाती हैं। फिर भी, इन संपत्तियों की सुरक्षा के लिए बनी व्यवस्थाएं अक्सर असमान, अपारदर्शी और अंदरूनी लोगों, ठेकेदारों, राजनीतिक संरक्षकों और बिचौलियों द्वारा हेरफेर के प्रति संवेदनशील होते हैं।

अयोध्या का मामला विशेष रूप से चिंताजनक है क्योंकि इस संस्था का प्रतीकात्मक महत्व बहुत अधिक है। राम मंदिर कोई साधारण तीर्थ स्थल नहीं है। इसे दशकों के आंदोलन, कानूनी लड़ाई, राजनीतिक संघर्ष और लाखों भक्तों की भावनात्मक भागीदारी के बाद बनाया गया था। दान केवल पैसे के रूप में नहीं, बल्कि आस्था के प्रतीक के रूप में आया था। जब ऐसी स्थिति में संगठित चोरी, नकदी के दुरुपयोग, विदेशी मुद्रा की बरामदगी और कमजोर आंतरिक नियंत्रण के आरोप लगते हैं, तो नुकसान केवल वित्तीय नहीं होता। यह उस पवित्र सार्वजनिक ट्रस्ट के प्रबंधन की जिम्मेदारी संभालने वालों की नैतिक साख पर चोट करता है।

मंदिर के कई वर्षों के खातों का फिर से ऑडिट करने का निर्णय, एक विशेष जांच प्रक्रिया का गठन, विवाद से जुड़े इस्तीफे और इस मुद्दे पर राजनीतिक विरोध प्रदर्शन यह संकेत देते हैं कि मामला सामान्य प्रशासनिक विफलता से आगे बढ़ गया है। भले ही अंतिम आपराधिक जिम्मेदारी जांच और मुकदमे के बाद ही तय हो, लेकिन प्रशासन की विफलता पहले से ही स्पष्ट है। एक ऐसी प्रणाली जो दान की चोरी को संगठित होने देती है, या बड़े पैमाने पर इसके विश्वसनीय आरोप लगने देती है, उसका बचाव केवल कुछ गलत करने वाले व्यक्तियों के काम के रूप में नहीं किया जा सकता है। यह अपर्याप्त सुरक्षा उपायों, नियंत्रण के अत्यधिक केंद्रीकरण और खराब बाहरी निगरानी की ओर इशारा करता है।

धार्मिक संस्थाएं एक कठिन संवैधानिक और नैतिक स्थिति में होती हैं। वे व्यावसायिक कंपनियां नहीं हैं, फिर भी वे इतनी बड़ी मात्रा में संपत्ति संभालती हैं कि अगर कोई कॉर्पोरेशन ऐसा करता तो उसे सख्त नियमों का पालन करना पड़ता। वे सरकार का हिस्सा नहीं हैं, फिर भी उन्हें अक्सर सरकारी रियायतें, पुलिस सुरक्षा, टैक्स में छूट, जमीन और राजनीतिक संरक्षण मिलता है। आम तौर पर वे निजी पारिवारिक संपत्ति नहीं होतीं, फिर भी उनके प्रबंधन पर अक्सर बंद समूहों, वंशानुगत हितों या ऐसे नेटवर्क का कब्जा होता है जो सि$र्फ खुद को ही जवाबदेह मानते हैं। इस अस्पष्टता ने कुप्रबंधन के लिए सही माहौल बना दिया है।

भारत में स्वाभाविक प्रतिक्रिया अक्सर सरकारी नियंत्रण की रही है, खासकर हिंदू मंदिरों के मामले में। फिर भी अनुभव से पता चला है कि सरकारी नियंत्रण ईमानदारी की कोई गारंटी नहीं है। यह एक तरह के कब्जे की जगह दूसरा कब्जा ला सकता है। नौकरशाहों में धार्मिक संवेदनशीलता की कमी हो सकती है, राजनेता मंदिर की आय का इस्तेमाल संरक्षण के लिए कर सकते हैं, और प्रशासक पवित्र संस्थानों को सामुदायिक ट्रस्ट के बजाय राजस्व पैदा करने वाले विभागों के तौर पर देख सकते हैं। दूसरी तरफ यह तर्क है कि धार्मिक समुदायों को अपने संस्थानों का प्रबंधन खुद करने के लिए पूरी तरह छोड़ दिया जाना चाहिए। उस नजरिए का भावनात्मक महत्व है, खासकर तब जब सरकारी दखल चुनिंदा या भेदभावपूर्ण लगे। लेकिन यह आंतरिक कब्जे के रिकॉर्ड को नज?अंदाज करता है। कई धार्मिक संस्थानों पर जमीन हड़पने, दान की हेराफेरी, बढ़ा-चढ़ाकर बताए गए ठेके, सोने-चांदी का गबन, नियुक्ति के अधिकारों में हेरफेर, आय कम बताना, बिना इजाजत लीज और धार्मिक या आम अभिजात वर्ग के गुटीय नियंत्रण के आरोप लगे हैं। सिर्फ. आस्था ही ऑडिट का तरीका नहीं हो सकती। भक्ति प्रशासन की जगह नहीं ले सकती।

इसलिए, इसका जवाब न तो पूरी तरह सरकारी नियंत्रण हो सकता है और न ही बिना नियम-कानून वाली आजादी। भारत को एक ऐसे धर्मनिरपेक्ष, निष्पक्ष जवाबदेही ढांचे की जरूरत है जो धार्मिक रीति-रिवाजों में दखल दिए बिना धार्मिक संपत्ति को सार्वजनिक-ट्रस्ट की संपत्ति माने। यह फर्क बहुत जरूरी है। सरकार का काम रीति-रिवाजों, सिद्धांतों, पूजा-पद्धतियों, धार्मिक मान्यताओं या धर्मशास्त्रीय सवालों पर फैसला करना नहीं है। लेकिन जनता द्वारा दान की गई संपत्ति चोरी न हो, उसका गलत इस्तेमाल न हो, उस पर कब्जा न हो या जिस भरोसे के तहत वह दी गई थी, उसके मकसद के खिलाफ उसका इस्तेमाल न हो, यह सुनिश्चित करने में सरकार की जायज दिलचस्पी होनी चाहिए। सरकार

धार्मिक संस्थानों के प्रशासन के लिए एक कानूनी राष्ट्रीय आयोग बनाने पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। इसका दायरा किसी खास संप्रदाय तक सीमित नहीं होना चाहिए। इसमें सभी प्रमुख सार्वजनिक धार्मिक संस्थान शामिल होने चाहिए- आय, संपत्ति, सार्वजनिक दान, जमीन या चैरिटेबल कामों के लिए तय सीमा के आधार पर। ऐसी संस्था को सीधे तौर पर मंदिरों, मस्जिदों, चर्चों या गुरुद्वारों का प्रबंधन नहीं करना चाहिए। इसे शासन के मानकों की निगरानी करनी चाहिए, पारदर्शी अकाउंटिंग अनिवार्य करनी चाहिए, स्वतंत्र ऑडिट करवाना चाहिए, संपत्ति का रजिस्टर रखना चाहिए, हितों के टकराव के नियमों को लागू करना चाहिए, जमीन के बड़े सौदों की जांच करनी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि शिकायतों की जांच सही प्रक्रिया से हो।

ऐसे आयोग का धर्मनिरपेक्ष स्वरूप ही उसकी सबसे बड़ी सुरक्षा होगी। आयोग का पहला काम पारदर्शिता होना चाहिए। हर बड़े धार्मिक संस्थान को आय, खर्च, संपत्ति, देनदारियों, दान, बड़े कॉन्ट्रैक्ट और जमीन के सौदों का सालाना ब्योरा सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराना चाहिए। ऐसे आयोग में नियुक्तियां रोजमर्रा की राजनीति से दूर होनी चाहिए। चयन प्रक्रिया में न्यायपालिका, संवैधानिक अधिकारियों, वित्तीय विशेषज्ञों और मान्यता प्राप्त नागरिक समाज संस्थाओं के प्रतिनिधियों को शामिल किया जाना चाहिए। इसके आदेशों के खिलाफ अदालतों में अपील की जा सकती है। इसकी शक्तियां धर्मनिरपेक्ष प्रशासन, वित्त, संपत्ति और गवर्नेंस तक सीमित होनी चाहिए।

अयोध्या विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब धार्मिक संस्थाओं का आर्थिक ढांचा और भी जटिल होता जा रहा है। तीर्थ-यात्रा से जुड़ा पर्यटन बढ़ रहा है, डिजिटल दान में बढ़ोतरी हो रही है, धार्मिक बुनियादी ढांचे को शहरी विकास से जोड़ा जा रहा है, और आस्था पर आधारित चैरिटी संस्थाएं औपचारिक और अनौपचारिक माध्यमों से बड़ी रकम का लेन-देन कर रही हैं। इसलिए, उनके कामकाज के तरीके और प्रबंधन में भी उसी के अनुसार बदलाव आना चाहिए।

-के रवींद्रन

बीज सोलिंग से जंगल तैयार करना अधिक सम्भव: राम भरोस मीणा

- पिछले वर्ष करोड़ों पौधों की मौत हुयी, फिर भी बांट रहे हैं पेड़, पर्यावरण संरक्षण के नाम पर यह धोखा है
- पौधे बांटने के बजाय यदि इसका आधा पैसा भी सेना व स्वैच्छिक संस्थाओं को दे दिया जाए तो हो सकता है 100 प्रतिशत वृक्षारोपण

उजड़े जंगलों को आबाद करने, वन भूमि पर पुनः पेड़ लगाने, बढ़ते पर्यावरणीय तापघात को रोकने, वातावरण में बढ़ती जहरीली गैसों से निजात पाने के नाम पर सम्बन्धित विभागों, स्वैच्छिक संगठनों, ग्राम समुदायों द्वारा जुलाई - अगस्त के महीने में सघन वृक्षारोपण किया जाता है, और यह कार्य सम्पूर्ण देश में होता है। वृक्षारोपण के नाम पर गड्डे खुदाई, फेंसिंग, पेड़ लगाने, पानी देने के नाम पर काफी खर्च भी किया जाता है, यह सत्य है। खैर पेड़ लगाने है तब खर्चा भी होगा, यह भी सही है। एक पेड़ मां के नाम, पर्यावरण सुरक्षा सप्ताह, पर्यावरण दिवस, वन उत्सव, नया प्लान्टेशन जैसे कार्यक्रमों में लाखों - करोड़ों पौधें प्रत्येक वर्ष लगाए जाते हैं। लेकिन यह किसी ने नहीं सोचा और न ही कोई यह देखता है कि आखिर लगाए गए पौधे जिंदा भी हैं या नहीं। कहीं उनकी हत्या तो नहीं हुई, या फिर वो सभी पेड़ बन गए। दूसरा सवाल यह उठता है कि जब करोड़ों पौधे पेड़ बन गए, तब प्रत्येक वर्ष इतने पेड़ लगाने की आवश्यकता क्यों पड़ती है ? यदि वे पेड़ नहीं बने, तो उसका कारण क्या रहा। खैर जो भी है, हकीकत यह है कि लगाए गए पौधों के औसतन 30 से 40 प्रतिशत पौधे ही जीवित बच पाते हैं, वे पेड़ बनते हैं। यह कटु सत्य है। फिर यदि प्लान्टेशन पत्थरीली कंक्रीट या बड़ी चट्टानों वाले पहाड़ी क्षेत्रों में हुआ, तो वहां उनके जीवित रहते पेड़ बनने का औसत 20 से 25 प्रतिशत, मैदानी इलाकों में 40 से 45 प्रतिशत, नहरी क्षेत्रों तथा नदी नालों के बहाव क्षेत्रो में 50 से 60 प्रतिशत ही पौधे जीवित रह पाते हैं। पौधों के खत्म होने की स्थिति में सम्बन्धित कार्यकारी एजेंसियां पुनः रिप्लेसमेंट करते हैं। बावजूद इसके 60 से 65 प्रतिशत ही इस कार्य में सफलता प्राप्त होती है। गौरतलब है कि इन परिस्थितियों में असफलताओं से बचने, प्लांटेशन कों सफल बनाएं रखने के लिए पहले वर्ष से ही बीजों का छिड़काव कर दिया जाता है। बीज से बने पेड़ों को भी लगाएं गए पौधों के साथ काउंटिग कर टारगेट पूरा हुआ दिखाया जाता है। फिर प्लान्टेशन की समय सीमा भी बढ़ा दी जाती है।

यदि पिछले दस सालों में लगाएं गए पौधों पर एक नजर डालें, तब पता चलता है कि पंचायतीराज विभाग द्वारा लगाएं गए पौधों में 90 प्रतिशत नष्ट हुए हैं। विद्यालयों के 82 प्रतिशत, पीडब्ल्यूडी विभाग के 87 प्रतिशत, वन विभाग के 76 प्रतिशत, समुदायों - स्वैच्छिक संस्थाओं के 10 प्रतिशत, सेना और अर्धसैनिक बलों के 05 प्रतिशत ही पौधे नष्ट हुए हैं, जबकि इस समय वृक्षारोपण के नाम पर सर्वाधिक पौधे वन विभाग, पीडब्ल्यूडी, पंचायतीराज विभाग, शिक्षा विभाग द्वारा लगाए जा रहे हैं और इस कार्य पर करोड़ों-करोड की राशि खर्च की जाती है,जैसाकि मेरा अनुभव है।

आखिर उजड़े जंगलों को आबाद करने, वीरान भूमि को हरी-भरी बनाने के लिए जो काम करोड़ों-करोड खर्च करने से नहीं हो पा रहा, वहीं कार्य हजारों खर्च करने से अच्छे से किया जा सकता है। आवश्यकता है हमें अनुभवों की और धरती की प्रकृति को समझनें की, जहां पर हमें वृक्षारोपण करना है। दरअसल वृक्षारोपण से पहले हमें वहां की वनस्पतियों का अध्ययन भी करने की आवश्यकता है। मिट्टी, वनस्पति के साथ प्राकृतिक वातावरण, मौसम को समझते हुए कम से कम पौधे लगाने के साथ अधिक से अधिक बीजों को मिट्टी में दबाना भी आवश्यक है।

स्थानीय प्रजातियों के पेड़ - पौधों, वनस्पतियों, झाड़ियों के बीजों का छिड़काव के साथ मिटटी में हल्की खुदाइ कर बीज दबा दें, उस दशा में जल्दी से पौधे अपना विकास कर पाते है। लगाए गए पौधों में ग्रोथ कम होने के साथ 30 से 40 प्रतिशत मरने की आशंका ज्यादा रहती है। यह पिछले बीस साल से वृक्षारोपण के कार्यों तथा बीज सोलिंग में जुटे रहने का मेरा निजी अनुभव है। यह कार्य तो मैंने स्वयं अपने हाथों किया है। वहीं आज अध्ययन का विषय बनता जा रहा है। इसी को लेकर हम लोगों को जागरूक कर रहे हैं। अपना अनुभव लोगों के साथ साझा कर रहे हैं। वृक्षों में वृद्धि के लिए जन सामान्य को प्रेरित कर रहे हैं। यही नहीं बीजों के छिड़काव से प्रत्येक वर्ष हजारों पेड़ भी तैयार करते हैं और लागत महज पांच से दस हजार रुपए के बीच आतीं है, जो ना के बराबर है। जहां प्लांटेशन करना होता है, उस क्षेत्र का भौगोलिक अध्ययन, वनस्पतियों का अध्ययन करना बहुत जरूरी होता है। इसके साथ क्षेत्र विशेष में मानव दखलंदाजी रोकने की भी बहुत आवश्यकता होती है। इस तरह महज तीन से पांच वर्ष में जंगल स्वयं तैयार हो जाता है। इसमें दो राय नहीं है।

(लेखक ख्यात प्रकृति प्रेमी एवं पर्यावरणविद् हैं।)

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

दिनांक 10 जुलाई 2026 शुक्रवार आषाढ़ कृष्ण एकादशी

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।

मार्गदर्शन: आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज मेष वृष सिंह कन्या वृश्चिक और मीन राशि के जातकों का आत्मबल मानसिक उत्साह और भाग्य का सहयोग बहुत उत्तम रहेगा। शुक्रवार का दिन साक्षात जगत जननी महालक्ष्मी और वैभव के प्रदाता शुक्र देव की साधना के लिए विशेष रूप से फलदायी माना जाता है। आज के दिन माता लक्ष्मी को मिश्री और मखाने का भोग लगाना और सफेद रंग के वस्त्र धारण करना जीवन में असीम भौतिक सुख ऐश्वर्य आरोग्यता और व्यापारिक समृद्धि में भारी वृद्धि लेकर आता है।

मेष

आज आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा और व्यावसायिक साख में भारी वृद्धि होगी जिससे कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव बढ़ेगा और सोचे हुए सभी रुके हुए काम गति पकड़ेंगे। व्यापारिक क्षेत्र में चल रही पुरानी मंदी आज पूरी तरह समाप्त होगी और अचानक नए माध्यमों से प्रचुर धन लाभ होने के सुंदर योग बन रहे हैं। माता लक्ष्मी के सम्मुख शुद्ध घी का दीपक जलाएं जिससे आपके मार्ग की सभी बाधाएं हमेशा के लिए दूर होंगी।

वृष

आज का दिन आपके लिए आर्थिक और पारिवारिक दृष्टिकोण से अत्यंत भाग्यशाली सिद्ध होगा और भूमि भवन से जुड़े पुराने विवाद हल होंगे। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों के सहयोग से आपको किसी बड़े और प्रतिष्ठित कार्य की जिम्मेदारी मिल सकती है जिससे मन अत्यंत प्रसन्न रहेगा। श्रीसूक्त का पाठ करें जिससे आपके घर में स्थाई सुख और ऐश्वर्य का वास होगा।

मिथुन

आज आप अपनी तीव्र बुद्धिमत्ता और प्रखर वाणी के बल पर जटिल से जटिल सांगठनिक और व्यापारिक समस्याओं को बेहद आसानी से हल कर लेंगे। स्वास्थ्य के प्रति बिल्कुल भी लापरवाही न बरतें और विशेष रूप से अत्यधिक काम के बोझ के कारण होने वाली शारीरिक थकावट से खुद को बचाएं। किसी सुहागिन महिला को श्रृंगार की वस्तु दान करें जिससे आपके भाग्य के बंद द्वार शीघ्र खुलेंगे।

कर्क

मानसिक रूप से आज आप खुद को अत्यधिक ऊर्जावान और शांत महसूस करेंगे जिससे किसी बड़े व्यावसायिक निवेश का निर्णय लेने में आपको सफलता मिलेगी। परिवार की ओर से कोई अत्यंत सुखद और गौरवमयी समाचार प्राप्त हो सकता है जिससे पूरे परिवार में उल्लास का माहौल बना रहेगा। माता लक्ष्मी को सफेद पुष्प अर्पित करें जिससे आपकी आर्थिक चिंताएं समाप्त होंगी।

सिंह

आज कार्यस्थल पर सहकर्मियों या व्यावसायिक साझेदारों के साथ किसी भी प्रकार के व्यर्थ के अहंकार के टकराव से आपको पूरी तरह बचना होगा। वाहन या किसी भी प्रकार की मूल्यवान वस्तु खरीदते समय अपने बजट का विशेष ध्यान रखें और अत्यधिक फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। मस्तक पर सफेद चंदन का तिलक लगाएं जिससे राजनीति के क्षेत्र में आपकी ऐतिहासिक विजय होगी।

कन्या

आज आपको मित्रों और वरिष्ठ सहयोगियों की मदद से किसी बड़े नए व्यावसायिक अनुबंध की प्राप्ति होगी जिससे आपकी संचित पूंजी में वृद्धि होगी। विद्यार्थियों को परीक्षा में अपनी कठिन मेहनत का बेहद सकारात्मक और मनोनुकूल परिणाम प्राप्त होने के सुंदर योग बन रहे हैं। पक्षियों के लिए अनाज की व्यवस्था करें जिससे आपके यश में निरंतर वृद्धि होगी।

तुला

आज सामाजिक और राजनैतिक क्षेत्र से जुड़े जातकों का प्रभाव क्षेत्र बढ़ेगा और समाज में उनके द्वारा किए गए कार्यों की हर स्तर पर सराहना होगी। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और जीवनसाथी के सहयोग से कोई बड़ा रुका हुआ पारिवारिक काम आज आसानी से पूरा हो जाएगा। किसी मंदिर में अन्न का दान करें जिससे आपके जीवन के सभी भ्रम दूर होंगे।

वृश्चिक

धार्मिक यात्राओं और देव दर्शन के सुंदर योग बन रहे हैं जिससे आपकी आंतरिक व्याकुलता पूरी तरह शांत होगी और मन को असीम संबल मिलेगा। व्यावसायिक क्षेत्र में किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर जरूरत से ज्यादा भरोसा न करें अन्यथा आपको बड़ा आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। लक्ष्मी कवच का पाठ करें जिससे आपके मार्ग की सभी गुप्त राजनैतिक बाधाएं दूर होंगी।

धनु

आज सेहत को लेकर विशेष रूप से सावधान रहने की आवश्यकता है क्योंकि अत्यधिक कार्यभार के कारण शारीरिक कमजोरी महसूस हो सकती है। सगे संबंधियों के साथ धन का बड़ा लेन देन करते समय पूरी सावधानी बरतें और बिना लिखा पढ़ी के कोई बड़ा आर्थिक व्यवहार न करें। महालक्ष्मी मंत्र का मानसिक जाप करें जिससे आपके भीतर एक अद्भुत और नई सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

मकर

साझेदारी में चल रहे व्यापार में आज मनोनुकूल प्रगति होगी और नए बड़े व्यावसायिक सहयोगी जुड़ने से आपके काम को बाजार में एक नई गति प्राप्त होगी। प्रेम संबंधों और पारिवारिक रिश्तों में आपसी तालमेल बहुत मधुर रहेगा तथा सभी सदस्य एक दूसरे की भावनाओं का पूरा सम्मान करेंगे। माता लक्ष्मी को मखाने अर्पित करें जिससे आपके पारिवारिक जीवन के सभी कष्ट हमेशा के लिए दूर होंगे।

कुंभ

आज आप अपने पराक्रम और कुशल कूटनीति के बल पर विरोधियों और शत्रुओं के हर चक्रव्यूह को पूरी तरह से ध्वस्त करने में सफल रहेंगे। पुराने कानूनी मामलों में आज आपके पक्ष में कोई बहुत बड़ी और सुखद खबर सुनने को मिल सकती है। गाय को हरी घास या भोजन खिलाएं जिससे आपके मन का अज्ञात भय पूरी तरह समाप्त हो जाएगा।

मीन

कला साहित्य लेखन और रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़ी प्रतिभाओं को आज कोई बड़ा राष्ट्रीय सम्मान या विशिष्ट पहचान मिलने के सुंदर योग बन रहे हैं। संतान पक्ष की शिक्षा या करियर को लेकर चल रही पुरानी चिंताएं आज पूरी तरह समाप्त होंगी जिससे मन को बड़ी राहत मिलेगी। माता लक्ष्मी के मंदिर में इत्र अर्पित करें जिससे आपके सुख और भौतिक साधनों में निरंतर वृद्धि होगी।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

शुक्रवार के दिन घर के मुख्य द्वार पर सुबह के समय जल में थोड़ा सा कच्चा दूध और हल्दी मिलाकर छिड़काव करने से घर की नकारात्मक ऊर्जा और भयंकर वास्तु दोष पूरी तरह शांत होता है तथा साक्षात धन लक्ष्मी की असीम कृपा से परिवार के सदस्यों का आर्थिक संकट दूर होता है और सुख समृद्धि हमेशा बढ़ती रहती है।

शिक्षक हमारे राष्ट्र निर्माता, उनकी सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता: चौ. लक्ष्मीनारायण

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

जनपद के पाञ्चजन्य प्रेक्षागृह में बुधवार को शिक्षकों और संविदा कर्मचारियों के लिए बहुप्रतीक्षित 'मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा सुविधा' का शुभारंभ कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक बल्देव पूरन प्रकाश की गरिमामयी उपस्थिति रही। शिक्षकों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि लक्ष्मी नारायण चौधरी ने कहा कि राष्ट्र निमार्ता शिक्षकों के स्वास्थ्य की चिंता करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। यह कैशलेस चिकित्सा सुविधा शिक्षकों और संविदा कर्मचारियों को गंभीर बीमारियों के इलाज में बड़ी वित्तीय राहत प्रदान करेगी। विशिष्ट अतिथि विधायक बल्देव पूरन प्रकाश ने इस योजना की सराहना की।

वाराणसी में मुख्यमंत्री ने शुरू की चिकित्सा योजना

वाराणसी में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 12 लाख शिक्षक/शिक्षणेत्तर कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने वाली मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ किया। 1.10 करोड़ विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म, जूता-मोजा, स्वेटर, स्कूल-बैग एवं स्टेशनरी हेतु उनके अभिभावकों के खाते में डी.बी.टी. के माध्यम से प्रति विद्यार्थी 1,200 का अंतरण किया। 10 लाख शिक्षकों एवं संविदा कर्मियों को सामाजिक सुरक्षा कवच प्रदान करने हेतु स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के साथ एम.ओ.यू. का निष्पादन एवं राष्ट्रीय स्तर पर चयनित स्वच्छ एवं हरित विद्यालयों के प्रधानाचार्यों/प्रधानाध्यापकों को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण यहां किया गया।

- **शिक्षकों और संविदा कर्मियों को कैशलेस चिकित्सा कार्ड का किया गया वितरण**
- **बच्चों के सर्वांगीण विकास को पूर्ण निष्ठा से कार्य करें शिक्षक- जिलाधिकारी**

जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना से लाखों शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक, विशेष शिक्षक, केजीबीवी के शिक्षक, विद्यालयों में कार्यरत रसोइये तथा उनके आश्रित गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ प्राप्त कर सकेंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा आज प्रदेश के विद्यार्थियों के अभिभावकों के खातों में डीबीटी के माध्यम से यूनिफॉर्म, जूता-मोजा, स्वेटर, स्कूल बैग एवं स्टेशनरी क्रय करने हेतु धनराशि हस्तांतरित की गई है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे प्राप्त धनराशि का उपयोग बच्चों की शैक्षिक आवश्यकताओं की पूर्ति में करें तथा उन्हें निर्धारित ड्रेस में नियमित रूप से विद्यालय भेजें।

कार्यक्रम के दौरान प्रतीकात्मक रूप से कई शिक्षक साथियों को उनके 'शिक्षक कैशलेस चिकित्सा कार्ड' सौंपे गए। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति ने अवगत कराया कि मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना से जनपद में बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत 7832 शिक्षकों/कर्मियों (बेसिक शिक्षक, एडेड शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक, तथा 39160 परिवारों को लाभांवित किया गया। जिला विद्यालय निरीक्षक राघवेंद्र सिंह ने अवगत कराया है कि मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना से जनपद में माध्यमिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत 1256 शिक्षकों/कर्मियों (प्रधानाचार्य, प्रवक्ता, सहायक अध्यापक, संस्कृत शिक्षक, संस्कृत मानदेय शिक्षक, व्यवसायिक शिक्षक) तथा 6280 परिवारों को लाभांवित किया गया।

फर्जी आधार और सिम से करते थे साइबर ठगी, छह गिरफ्तार

चौमुहां। शेरगढ़ थाना पुलिस ने साइबर ठगी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से आठ फर्जी आधार कार्ड, सात फर्जी सिम कार्ड और छह मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार, मुखबिर की सूचना पर बुधवार तड़के करीब 12:30 बजे जंघावली पुलिया के पास चारदीवारी के अंदर छापेमारी की गई। यहां से गांव जंघावली निवासी दिलशाद (26), रिजवान (18), नाजिम (22), शाहिद (30), रिहान (19) तथा राजस्थान के डीग जिले के भीलमका निवासी हैदर (19) को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे लोगों के फर्जी आधार कार्ड तैयार कर उनके नाम से सिम कार्ड निकलवाते थे। इन सिम कार्डों को अलग-अलग मोबाइल फोन में लगाकर अपनी पहचान छिपाते हुए देशभर के लोगों को फोन करते थे। आरोपी लिंक भेजकर, ओटीपी पूछकर और अन्य बहाने बनाकर लोगों से बैंक खातों में रुपये ट्रांसफर कराकर साइबर ठगी करते थे। पुलिस का कहना है कि आरोपी मोबाइल नंबर बदल-बदलकर वारदात को अंजाम देते थे, जिससे उनकी पहचान छिपी रहे।

बरामदगी में दिलशाद, रिजवान, नाजिम और शाहिद से एक-एक मोबाइल, एक-एक फर्जी सिम तथा एक-एक फर्जी आधार कार्ड मिला। हैदर के कब्जे से एक मोबाइल, दो फर्जी सिम और दो फर्जी आधार कार्ड तथा रिहान से एक मोबाइल, एक फर्जी सिम और दो फर्जी आधार कार्ड बरामद किए गए। कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक अजय किशोर के नेतृत्व में थाना शेरगढ़ पुलिस टीम ने की।

ओ लेवल एवं सीसीसी कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रवेश की तिथि बढ़ी

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी विशाल कुमार ने बताया कि जनपद के अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के बेरोजगार युवक-युवतियों को निशुल्क ओ लेवल एवं सीसीसी कम्प्यूटर प्रशिक्षण की तिथि बढ़ा दी गई है। ओ लेवल कम्प्यूटर प्रशिक्षण की अवधि एक वर्ष तथा सीसीसी प्रशिक्षण की अवधि तीन माह होगी। इसके लिए आवेदन इच्छुक पात्र अभ्यर्थी पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की वेबसाइट के माध्यम से 20 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन कर सकते हैं। आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी आवश्यक अभिलेखों सहित कार्यालय जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, राजीव भवन, कक्ष संख्या-22जी, मथुरा में संशोधित अंतिम तिथि 20 जुलाई 2026 तक जमा करना अनिवार्य होगा। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण योजना, पात्रता, आवश्यक दस्तावेज एवं विस्तृत दिशा-निर्देश विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि आवेदन करने से पूर्व दिशा-निर्देशों का भलीभांति अध्ययन कर लें। आवेदन करने के लिए अभ्यर्थी का इंटरमीडिएट उत्तीर्ण होना आवश्यक है तथा आयु 35 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। अभ्यर्थी के अभिभावक की वार्षिक आय 1,00,000 (एक लाख रुपये) से अधिक नहीं होनी चाहिए तथा अभ्यर्थी के पास अन्य पिछड़ा वर्ग का वैध जाति प्रमाण पत्र होना अनिवार्य है। साथ ही अभ्यर्थी किसी अन्य संस्था से छात्रवृत्ति प्राप्त नहीं कर रहा हो।

माटीकला टूल किट वितरण एवं शिल्पकारी प्रशिक्षण हेतु चयन साक्षात्कार 10 को

एटा। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी अशोक सिंह ने अवगत कराया है कि माटीकला टूल किट (विद्युत चालित चाक एवं पगमिल मशीन) वितरण तथा माटीकला शिल्पकारी प्रशिक्षण के लिए अभ्यर्थियों के चयन हेतु चयन समिति की बैठक दिनांक 10 जुलाई 2026 को प्रातः 10:30 बजे विकास भवन सभाकक्ष, एटा में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि जिन उद्यमियों/अभ्यर्थियों ने उक्त योजनाओं के अंतर्गत जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, एटा में आवेदन किया है, वे निर्धारित तिथि एवं समय पर अपने समस्त मूल प्रमाण-पत्रों सहित चयन साक्षात्कार में अनिवार्य रूप से उपस्थित हों।

जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ने सभी पात्र आवेदकों से समय से उपस्थित होकर चयन प्रक्रिया में प्रतिभाग करने की अपील की है, जिससे योजना का लाभ पात्र अभ्यर्थियों को उपलब्ध कराया जा सके।

हरियाली की नई मिसाल, जलेसर महाविद्यालय में ठरर का मेगा वृक्षारोपण अभियान, युवाओं ने प्रकृति संरक्षण का लिया संकल्प

जलेसर (एटा)। पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ने और युवा शक्ति को प्रकृति के प्रति उत्तरदायी बनाने की दिशा में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जलेसर ने बुधवार को एक प्रेरणादायी पहल की। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में आयोजित वृहद वृक्षारोपण अभियान के तहत महाविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए तथा उनके संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ओमकार ने पौधारोपण कर किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ता प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग पूरी मानव सभ्यता के सामने गंभीर चुनौती हैं। ऐसे में प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह अधिक से अधिक पौधे लगाए और उन्हें वृक्ष बनने तक संरक्षित रखे। उन्होंने छात्र-छात्राओं से पर्यावरण संरक्षण को केवल अभियान नहीं, बल्कि जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने पूरे उत्साह, अनुशासन और सेवा-भाव के साथ अभियान में भाग लिया। प्रत्येक स्वयंसेवक ने एक पौधा रोपित कर उसके संरक्षण एवं नियमित देखभाल का संकल्प लिया। परिसर में पौधारोपण के दौरान पर्यावरण संरक्षण के संदेश भी दिए गए, जिससे कार्यक्रम जनजागरूकता का माध्यम बन गया।

ब्राह्मणों पर दर्ज हो रहे हैं झूठे मुकदमे, आक्रोश

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, वृंदावन।

विश्व ब्राह्मण कल्याण परिषद के बैनर तले श्री विनोद वाणी गौड़ीय मठ, वृंदावन में ब्राह्मण समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पीतांबर शर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार छोटे व्यवसायियों और व्यापारियों को सहयोग देने की बात करते हैं, लेकिन ब्राह्मण समाज से जुड़े लोगों की समस्याओं और उनके साथ हो रहे कथित उत्पीड़न पर भी गंभीरता से ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है।

बैठक में वक्ताओं ने आरोप लगाया कि ब्राह्मणों के विरुद्ध झूठे मुकदमे दर्ज होने तथा समाज के लोगों के सम्मान को ठेस पहुंचाने जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों को समाज की समस्याओं को शासन-प्रशासन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना चाहिए। बैठक में पंडित जगदीश सुपनिया ने मथुरा जिले के विकास कार्यों पर चर्चा की।

परिषद के पदाधिकारियों ने कहा कि इस बैठक का उद्देश्य ब्राह्मण समाज को संगठित करना और उनके अधिकारों एवं सम्मान की रक्षा के लिए जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने निर्णय लिया कि यदि ब्राह्मण समाज के साथ कथित शोषण और भेदभाव नहीं रुका तो चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा। इसके तहत प्रशासन को ज्ञापन सौंपने, धरना-प्रदर्शन करने तथा आवश्यक होने पर गिरफ्तारी देने जैसे कदम भी उठाए जाएंगे। साथ ही परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष के माध्यम से मुख्यमंत्री तक ब्राह्मण समाज की मांगों और चिंताओं को पहुंचाने का भी निर्णय लिया गया।

बैठक में पंडित श्याम बिहारी चतुर्वेदी, सत्यभान शर्मा, करुणा शंकर, राकेश शास्त्री, आचार्य बद्रिश, महेश शुक्ला, विनोद शर्मा, चंद्रकांत पाण्डेय, नीरज गौतम, श्याम द्विवेदी, कृपा शंकर, राजीव शर्मा, मोहन लाल शर्मा, सुभाष शर्मा सर्व ब्राह्मण महा सभा मित्र मंडल, राष्ट्रीय ब्राह्मण सेवा संघ, अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण सेवा संघ के पदाधिकारी उपस्थित थे।

स्कूल तो भेज दें साहब, बैठेंगे कहां और पढ़ेंगे कैसे

15 वर्षों से जलभराव की मार झेल रहा प्राथमिक विद्यालय पानी गांव द्वितीय

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

सरकारी स्कूलों में बच्चों की मानक के अनुरूप न्यूनतम संख्या जुटाने के लिए अध्यापक अध्यापिकाएं पूरा जोर लगा रहे हैं। पूरा शिक्षा विभाग स्कूल चलो अभियान में जान फूंकने की कोशिश कर रहा है। दूसरी ओर सरकारी स्कूलों की हालत ऐसी है कि कहीं स्कूल पहुंचने के लिए बच्चों को गंदे पानी से होकर गुजरना पड रहा है तो कहीं स्कूल में ही पानी भरा हुआ है। मांट ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय पानीगांव द्वितीय में लंबे समय से जलभराव की गंभीर समस्या बनी हुई है। क्षेत्रीय अभिभावक कहते हैं कि वे अपने बच्चों को स्कूल तो भेज देंगे लेकिन वे बैठेंगे कहां और पढ़ेंगे कैसे?

विद्यालय परिसर और मुख्य प्रवेश मार्ग पर करीब दो फीट तक पानी भरा होने के कारण छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को रोजाना कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। हालात ऐसे हैं कि बच्चों का विद्यालय पहुंचना भी चुनौती बन गया है और पठन-पाठन व्यवस्था पर इसका सीधा असर पड़ रहा है।विद्यालय के प्रधानाध्यापक सतीश चंद्र ने बताया कि इस समस्या को लेकर कई बार संबंधित विभागों और अधिकारियों को लिखित व मौखिक रूप से जानकारी दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। लगातार शिकायतों के बावजूद जलभराव की समस्या जस की तस बनी हुई है। विद्यालय प्रबंधन का कहना है कि परिसर में गंदा पानी भरा रहने से बच्चों की नियमित उपस्थिति प्रभावित हो रही है। कई अभिभावक अपने बच्चों को विद्यालय भेजने से हिचक रहे हैं, क्योंकि उन्हें संक्रमण और बीमारियों का डर सताता है। जलभराव के कारण कक्षाओं तक पहुंचने में भी परेशानी होती है, जिससे पढ़ाई नियमित रूप से नहीं हो पा रही है। विद्यालय की एक अध्यापिका ने बताया कि यह समस्या कोई नई नहीं है। पिछले करीब 15 वर्षों से विद्यालय हर बरसात में जलभराव की परेशानी झेल रहा है, लेकिन आज तक इसका स्थायी समाधान नहीं किया गया।

उन्होंने कहा कि इस कारण बच्चों की शिक्षा लगातार प्रभावित हो रही है और शिक्षकों को भी कठिन परिस्थितियों में कार्य करना पड़ता है। विद्यालय प्रशासन ने जिलाधिकारी मथुरा से मामले का संज्ञान लेकर जल्द स्थायी समाधान कराने की मांग की है। उनका कहना है कि बच्चों को सुरक्षित और बेहतर शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

यदि समय रहते जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं की गई तो बरसात के दौरान स्थिति और गंभीर हो सकती है। ग्रामीणों और अभिभावकों ने भी प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग करते हुए कहा है कि बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़े इस मुद्दे को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाना चाहिए, ताकि छात्र बिना किसी परेशानी के विद्यालय आकर पढ़ाई कर सकें।

लगातार बारिश में ढही जर्जर दीवार, तीन को सुरक्षित निकाला

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

कभी रिमझिम तो कभी मूसलाधार हो रही बरसात से कमजोर मकान और दीवार खतरा बन रहे हैं। कमजोर मकानों के धंसने का खतरा बढ जाता है। मंगलवार से शुरू हुई वह रात भर जारी रही। कभी धीमी तो कभी तेज बारिश के चलते पुराने मकानों के लिए खतरा पैदा हो गया है। थाना मगोर्रा क्षेत्र के गांव जोगीपुरा में बुधवार सुबह लगातार हो रही तेज वर्षा के बीच एक मकान की जर्जर दीवार भरभराकर गिर गई। हादसे में घर के अंदर बैठे दंपती और आठ वर्षीय भतीजी मलबे के नीचे दब गए। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए राहत कार्य शुरू किया और तीनों को सुरक्षित बाहर निकालकर जिला अस्पताल भिजवाया।

गांव जोगीपुरा निवासी प्रदीप अपनी पत्नी भगवती और आठ वर्षीय रोशनी के साथ घर में बैठे थे। इसी दौरान लगातार हो रही बारिश के कारण मकान की जर्जर दीवार अचानक ढह गई। दीवार गिरते ही तीनों मलबे के नीचे दब गए। चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद मलबा हटाकर तीनों को बाहर निकाला। इसके बाद एंबुलेंस की सहायता से उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया, जहां उनका इलाज जारी है। घ ग्रामीणों ने वर्षा के मौसम में जर्जर मकानों और दीवारों से सावधानी बरतने की अपील की है। थाना प्रभारी अजय कुमार सिंह ने बताया कि जर्जर दीवार गिरने से एक ही परिवार के तीन लोग घायल हुए हैं। सभी का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है।

- **दीवार गिरने से दंपति समेत आठ साल की बेटी मलबे में दब गये थे**

डीएम ने घटना पर लिया संज्ञान

जिलाधिकारी सीपी सिंह ने मीडिया के साथ घटना के संबंध में जानकारी साझा करते हुए बताया कि ग्राम अहमल के मजरा जोगीपुरा में प्रदीप जोगी अपने तीन भाइयो के साथ संयुक्त परिवार में रहता हैं। परिवार में दो पक्के मकान हैं. एक जर्जर मकान था जिसकी दीवार गिरने से प्रदीप जोगी उसकी पत्नी भगवती तथा भतीजी रोशनी पुत्री अमरचंद मामूली घायल हुए थे। जिनका बीब गोवर्धन में इलाज के बाद डिस्चार्ज कर दिया हैं. मौके जांच के लिए नायब तहसीलदार को भेजा गया हैं।

एटा के पारंपरिक व्यंजनों को मिलेगा उद्योग का नया स्वरूप, 'एक जनपद-एक व्यंजन' योजना में आवेदन आमंत्रित

एटा। प्रदेश सरकार द्वारा स्थानीय पारंपरिक व्यंजनों को नई पहचान दिलाने तथा खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में स्वरोजगार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित 'एक जनपद-एक व्यंजन (ओडीओसी) वित्त पोषण सहायता योजना' जनपद एटा में प्रभावी रूप से संचालित की जा रही है। योजना के अंतर्गत जनपद एटा के लिए चिकोरी, घेवर एवं पूड़ी-सब्जी को चयनित व्यंजन के रूप में शामिल किया गया है। इन व्यंजनों से संबंधित नई इकाइयों की स्थापना, विस्तार एवं विविधीकरण के लिए बैंक ऋण के साथ मार्जिन मनी अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा।

उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र, एटा अर्चना कुमारी ने बताया कि योजना का मुख्य उद्देश्य जनपद के पारंपरिक व्यंजनों का संरक्षण करते हुए उन्हें आधुनिक तकनीक से जोड़ना, उत्पादन क्षमता एवं गुणवत्ता में वृद्धि करना, आकर्षक पैकेजिंग को बढ़ावा देना तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत बनाना है। इससे स्थानीय उद्यमियों को स्वरोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे तथा जनपद की विशिष्ट खाद्य पहचान को भी व्यापक स्तर पर स्थापित किया जा सकेगा।

उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत ऑटोमेटिक मशीनों की स्थापना, आधुनिक पैकेजिंग एवं लेबलिंग मशीनें, रैपर सीलर, डीप फ्रीजर, मिनी कोल्ड रूम, रीफर वैन, फूड टेस्टिंग एवं गुणवत्ता जांच उपकरण, उत्पादों की शेल्फ लाइफ बढ़ाने वाली मशीनें, क्लाउड किचन सहित अन्य आवश्यक अधोसंरचना के विकास के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

प्रभु श्रीगोदारंगमन्नार का 81 रजत कलशों से ज्येष्ठाभिषेक

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, वृंदावन।

नगर के प्रसिद्ध श्री रंगनाथ मंदिर में 81 अभिमंत्रित रजत कलशों को नौ-नौ की पंक्तियों में स्थापित कर देश की पवित्र नदियों का आवाहन किया गया। इसके बाद आगम पंचरात्र पद्धति के अनुसार गौदुग्ध, दही, घृत, मधु, शर्करा, इत्र सहित पंचगव्य से अभिषेक किया गया। पंचगव्य अभिषेक करके भक्त आनंदित हो उठे। वृंदावन में तीर्थ नगरी के दक्षिणात्य शैली के प्रसिद्ध श्री रंगनाथ मंदिर में नित्योत्सव श्रृंखला के अंतर्गत बुधवार को ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष की नवमी एवं रेवती नक्षत्र के संयोग में ठाकुर श्री गोदारंगमन्नार भगवान का भव्य ज्येष्ठाभिषेक विधि विधान से हुआ। भीषण गर्मी से भगवान को शीतलता प्रदान करने की परंपरा के तहत वैदिक रीति-रिवाजों से महाभिषेक किया गया। उत्सव का शुभारंभ प्रातः 10 बजे वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हुआ। सबसे पहले 81 अभिमंत्रित रजत कलशों को नौ-नौ की पंक्तियों में स्थापित कर देश की पवित्र नदियों का आवाहन किया गया। इसके बाद आगम पंचरात्र पद्धति के अनुसार गौदुग्ध, दही, घृत, मधु, शर्करा, इत्र सहित पंचगव्य से अभिषेक किया गया। महाभिषेक में केसर, कपूर, नवांग हल्दी, चंदन, विभिन्न जड़ी-बूटियों से मिश्रित जल, फलों के रस तथा आम के रस से ठाकुरजी का अभिषेक किया गया।

- **वेदपाठी विद्वानों ने श्रीसूक्त, पुरुषसूक्त, वेंकटेश स्तोत्र का किया पाठ**

वेदपाठी विद्वानों ने श्रीसूक्त, पुरुषसूक्त, वेंकटेश स्तोत्र, गुरु परंपरा एवं श्री वरद वल्लभ स्तोत्र का सस्वर पाठ किया, जिससे पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गुंजायमान हो उठा। मंडप में विराजमान ठाकुर श्री गोदारंगमन्नार भगवान के चल विग्रह का सूती वस्त्र धारण कराकर लगभग तीन घंटे तक लगातार जलाभिषेक किया गया। महाभिषेक के उपरांत भगवान को नवीन वस्त्र एवं आभूषणों से अलंकृत कर कुंभ आरती उतारी गई। अंत में श्रद्धालुओं को आम्राभिषेक (आम के रस) का प्रसाद वितरित किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्सव में भाग लेकर ठाकुरजी के दिव्य दर्शन किए।

करहल में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक गुप्ता का स्वागत, बोले- 2027 में मैनपुरी में कमल खिलाएगी भाजपा

❍ ऋषीकान्त दुबे

करहल। भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक गुप्ता का मंगलवार को करहल आगमन पर पार्टी कार्यकताओं ने विभिन्न स्थानों पर जोरदार स्वागत किया। नगर पंचायत करहल के पूर्व चेयरमैन प्रत्याशी एवं भाजपा नेता सचिन वर्मा 'छोटू' के आवास सहित कई स्थानों पर फूल-मालाओं से उनका अभिनंदन किया गया। स्वागत कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आलोक गुप्ता के स्वागत का सिलसिला किरथुआ कट, चौधरी नत्थू सिंह डिग्री कॉलेज, करहल नगर के विभिन्न स्थानों पर चलता रहा। किरथुआ कट पर प्रधान प्रतिनिधि अंकित गुप्ता, चौधरी नत्थू सिंह डिग्री कॉलेज में डॉ. धीरज यादव, जैन इंटर कॉलेज के पास राजपुर के प्रधान प्रतिनिधि मनोज यादव, भाजपा नेता एवं पूर्व चेयरमैन प्रत्याशी सचिन वर्मा 'छोटू', जिला उपाध्यक्ष गौरव यादव तथा भाजपा नेता शादाब कुरैशी समेत अन्य कार्यकताओं ने उनका स्वागत किया।

पत्रकारों से बातचीत में आलोक गुप्ता ने कहा कि पार्टी के केंद्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसके लिए वह आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 का विधानसभा चुनाव भाजपा के लिए महत्वपूर्ण है और वह संगठन को और मजबूत करते हुए पूरी निष्ठा से अपने दायित्व का निर्वहन करेंगे।

राजनीतिक सवालों के जवाब में उन्होंने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि मैनपुरी में सपा केवल "मुंगेरी लाल के हसीन सपने" देख रही है, जो कभी पूरे नहीं होंगे। उनका दावा था कि पिछला विधानसभा चुनाव करहल में भाजपा बहुत कम अंतर से हारी थी और आगामी चुनाव में पार्टी यह अंतर भी समाप्त कर देगी।

राम मंदिर से जुड़े सवाल पर आलोक गुप्ता ने कहा कि भगवान राम करोड़ों लोगों की आस्था के केंद्र हैं और प्रत्येक भारतीय के हृदय में विराजमान हैं। उन्होंने कहा कि कारसेवकों पर गोली चलाने वालों को राम के विषय में बोलने का नैतिक अधिकार नहीं है। राम मंदिर परिसर में हुई चोरी की घटना पर उन्होंने कहा कि चोरी कहीं भी हो सकती है, लेकिन कानून अपना काम करेगा। मामले की जांच चल रही है और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी घटना को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने मैनपुरी की पूर्व कानून-व्यवस्था का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि पहले अपहरण, फिरौती और अवैध कब्जों की घटनाएं आम थीं तथा प्रदेश में अराजकता का माहौल था। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार में कानून व्यवस्था मजबूत हुई है और अपराधियों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है।

इस अवसर पर भाजपा नेता अनुजेश प्रताप यादव, प्रदीप चौहान, भूपेंद्र यादव, अरुण प्रताप सिंह चौहान, विशाल वाल्मीकि, डॉ. धीरज यादव, विमलेश पांडेय, अंकित गुप्ता, रामनरेश यादव, अनूप यादव, कबीर यादव, रविंद्र यादव सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे।

मैनपुरी में खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई: एक्सपायरी तेल और दूषित मिठाइयां नष्ट, मचा हड़कंप

❍ टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

मैनपुरी जिले में मिलावटखोरों और जनता की सेहत से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा विभाग ने एक बड़ा अभियान चलाया है। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी ए.के. पाठक के नेतृत्व में विभागीय टीम ने दो बड़े प्रतिष्ठानों पर औचक छापेमारी की। इस ताबड़तोड़ कार्रवाई के दौरान टीम ने करीब 220 किलोग्राम एक्सपायरी सरसों का तेल और 30 किलोग्राम दूषित मिठाइयों को मौके पर ही सीज कर नष्ट करवा दिया, जिससे पूरे बाजार में हड़कंप मच गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विभाग की पहली कार्रवाई कन्हैया मिष्ठान भंडार पर हुई, जहां गोपनीय शिकायत के आधार पर छापा मारा गया। दुकान की कार्यशाला में अधिकारियों को लगभग 30 किलोग्राम पुराने, बासी और दूषित लड्डू, बूंदी और जलेबी मिलीं, जिनकी कीमत करीब 5 हजार रुपये आंकी गई है। इन दूषित मिठाइयों को तुरंत मौके पर नष्ट करा दिया गया। निरीक्षण के दौरान कार्यशाला में भारी गंदगी, खिड़कियों पर जाली न होना और कर्मचारियों में स्वच्छता का अभाव जैसी गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। इसके चलते खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम की धारा-32 के तहत प्रतिष्ठान को सुधार नोटिस जारी किया गया है और बर्फी का एक नमूना जांच के लिए सरकारी लैब भेजा गया है।

इसी क्रम में दूसरी बड़ी कार्रवाई मेसर्स रामनाथ एंड संस के यहां की गई। वहां से कबीरा ब्रांड का करीब 220 किलोग्राम एक्सपायरी सरसों का तेल बरामद हुआ, जो 40 गत्तों में पैक था और इसकी बाजार कीमत लगभग 38,400 रुपये थी। विभागीय टीम ने अपनी मौजूदगी में इस पूरे तेल को नाले में बहवाकर नष्ट कर दिया। कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी ब्रजेन्द्र कुमार एवं इन्द्रजीत सिंह भी मुस्तैद रहे। अधिकारियों ने साफ चेतावनी दी है कि मुनाफे के लिए एक्सपायरी सामान बेचना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और जनता को शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए यह चेकिंग अभियान आगे भी जारी रहेगा।

पीएम राष्ट्रीय बाल पुरुष्कार की ऑनलाईन नामांकन प्रक्रिया शुरू

❍ टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

जिला प्रोबेशन अधिकारी राजनाथ राम ने बताया कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार की ऑनलाइन नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के अन्तर्गत मेधावी बच्चों को सम्मानित करने के लिए स्थापित यह पुरस्कार 06 श्रेणियों में वीरता, समाज सेवा, पर्यावरण, खेल, कला, संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में 18 वर्ष (31 जुलाई तक) से कम उम्र के बच्चे जिन्होने इन क्षेत्रों में उत्कृष्ट और असाधारण योगदान दिया है, उक्त पुरस्कार के लिए सम्बन्धित बेवसाइट पर मेधावी बच्चे स्वयं अथव जनसेवा केन्द्र के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के सम्बन्ध में हेल्पलाइन नम्बर 8826539322 पर सीधे जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

मत्स्य विभाग द्वारा संचालित सब्सिडी योजना के आवेदन की तिथि बड़ी, 24 जुलाई तक होंगे आवेदन

❍ टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

सहायक निदेशक मत्स्य ने बताया कि मत्स्य विभाग द्वारा संचालित राज्य सेक्टर की योजना निषादराज वोट सब्सिडी योजनान्तर्गत ऑनलाइन आवेदन करने हेतु विभागीय पोर्टल पर 28 जून तक खोला गया था। योजना का अधिक से अधिक पात्र व्यक्ति लाभ प्राप्त कर सकें इस हेतु पोर्टल 24 जुलाई तक के लिए पुनः खोला गया है, इच्छुक मत्स्य पालक विभागीय बेवसाइट पर 24 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं, आवेदन करने की प्रक्रिया, आवेदन के साथ संलग्न किये जाने वाले अभिलेख आदि का विस्तृत विवरण विभागीय वेबसाइट पर देखा जा सकता है, इस सम्बन्ध में अधिक जानकारी किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय सहायक निदेशक मत्स्य, विकास भवन गॉधी सभागार में सम्पर्क कर प्राप्त की जा सकती है।

डिंपल यादव ने रेल बैठक के लिए प्रतिनिधि किया नामित, मैनपुरी की समस्याएं प्रमुखता से उठेंगी

❍ टीएनएफ टुडे, करहल/मैनपुरी।

सांसद डिंपल यादव ने उत्तर मध्य रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक, प्रयागराज को पत्र भेजकर 10 जुलाई 2026 को आयोजित होने वाली बैठक में अपनी ओर से प्रतिनिधि नामित किए जाने की जानकारी दी है। पत्र में उन्होंने बताया कि अपरिहार्य कारणों से वह बैठक में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं हो सकेंगी।

सांसद ने अपने प्रतिनिधि के रूप में श्री राम नारायण बाघम को बैठक में भाग लेने के लिए अधिकृत किया है। उनके साथ एक सहायक भी बैठक में मौजूद रहेगा। सांसद ने पत्र में स्पष्ट किया कि उनके प्रतिनिधि बैठक में मैनपुरी रेलवे स्टेशन एवं जनपद की प्रमुख रेल समस्याओं, रेल सेवाओं के विस्तार, यात्री सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण तथा क्षेत्र की रेल अवसंरचना के विकास से जुड़े मुद्दों को विस्तारपूर्वक उठाएंगे।

साथ ही उन्होंने अपने सुझाव भी बैठक के समक्ष प्रस्तुत करने की बात कही है, ताकि क्षेत्र की लंबे समय से लंबित रेल संबंधी समस्याओं का समाधान निकल सके। सांसद ने मंडल रेल प्रशासन से अनुरोध किया है कि उनके प्रतिनिधि को बैठक में प्रोटोकॉल के तहत आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाए।

गौरतलब है कि रेलवे से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और सुविधाओं को लेकर आयोजित होने वाली इस बैठक से मैनपुरी जनपद के यात्रियों और क्षेत्रवासियों को बेहतर रेल सेवाओं की उम्मीद है। सांसद की ओर से प्रतिनिधि की नियुक्ति को क्षेत्र के रेल विकास से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

शिक्षकों का स्वास्थ्य सुरक्षित होगा तो शिक्षा व्यवस्था और अधिक सशक्त बनेगी: जिलाधिकारी अरविन्द

❍ टीएनएफ टुडे, एटा।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में वाराणसी से आयोजित मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के शुभारंभ, परिषदीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के अभिभावकों के खातों में डीबीटी के माध्यम से प्रति विद्यार्थी 1,200 की धनराशि अंतरण, शिक्षकों एवं संविदा कर्मियों के लिए सामाजिक सुरक्षा कवच उपलब्ध कराने हेतु भारतीय स्टेट बैंक के साथ एमओयू निष्पादन तथा राष्ट्रीय स्तर पर चयनित स्वच्छ एवं हरित विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के सम्मान समारोह का जनपद एटा में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट), हरचंदपुर कला के सभागार में सजीव प्रसारण देखा एवं सुना गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मवीर प्रजापति, विधायक मारहरा वीरेंद्र सिंह लोधी, जिलाधिकारी अरविन्द सिंह, मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र प्रसाद मिश्र सहित जनप्रतिनिधि, प्रधानाध्यापक, शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं जिलाधिकारी द्वारा जनपद के 36 शिक्षकों को मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के प्रतीकात्मक कार्ड वितरित किए गए। साथ ही शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों को योजना के अंतर्गत 5 लाख तक की कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराए जाने संबंधी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

अपने संबोधन में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मवीर प्रजापति ने कहा कि विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की प्राप्ति में शिक्षकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। शिक्षक राष्ट्र के भावी नागरिकों का निर्माण करते हैं, इसलिए राज्य सरकार उनके स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं सम्मान के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना से शिक्षकों, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों, विशेष शिक्षकों, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के शिक्षकों, विद्यालयों में कार्यरत रसोइयों तथा उनके आश्रितों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्राप्त होगा।

जिलाधिकारी अरविन्द सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए प्रदेश सरकार की एक दूरदर्शी एवं कल्याणकारी पहल है। इस योजना के माध्यम से शिक्षकों एवं उनके आश्रितों को 5 लाख तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे गंभीर बीमारी की स्थिति में भी उन्हें आर्थिक चिंता के बिना बेहतर उपचार मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शिक्षक ही विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने में प्रभावी भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने सभी पात्र शिक्षकों एवं कर्मचारियों से योजना का अधिकतम लाभ उठाने तथा अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का आह्वान करते हुए कहा कि जिला प्रशासन शिक्षकों के हितों के संरक्षण एवं शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

विधायक मारहरा वीरेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि शिक्षक समाज की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उन्होंने शिक्षकों से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, नैतिक मूल्यों के संवर्धन एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र प्रसाद मिश्र, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनुपम अवस्थी, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. इंद्रजीत सिंह, जिला महामंत्री सुशील कुमार गुप्ता, संतोष चौहान आदि।

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का किया शुभारंभ

❍ टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा यूनिफॉर्म, जूता, मोजा, स्वेटर, बैग, स्टेशनरी हेतु डी.बी.टी. के माध्यम से धनराशि के प्रेषण एवं मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के शुभारंभ के सजीव प्रसारण के उपरांत राज मैरिज होम में आयोजित कार्यक्रम में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि शिक्षकों के हितों के संरक्षण, उनके स्वास्थ्य तथा उनके परिवार की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ किया है, यह केवल एक स्वास्थ्य योजना नहीं बल्कि समाज के राष्ट्र निमार्ताओं के प्रति सरकार की संवेदनशीलता, सम्मान और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस योजना के अंतर्गत शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी तथा उनके पात्र आश्रितों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी इसके साथ ही किसी भी आकस्मिक अथवा अनहोनी की स्थिति में रू. 01 करोड़ तक की बीमा सुरक्षा का लाभ भी मिलेगा, इस महत्वाकांक्षी योजना के संचालन के लिए प्रदेश सरकार प्रतिवर्ष लगभग रू. 445 करोड़ व्यय करेगी। उन्होने कहा कि विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों को यूनिफॉर्म, पुस्तकें, जूते-मोजे तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिवर्ष लगभग रू 1320 करोड़ व्यय किए जा रहे हैं इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य, शिक्षा, आधार-भूत संरचना और अन्य लोक-कल्याणकारी योजनाओं के लिए भी पर्याप्त वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं, यह सब तभी संभव है जब सरकार आर्थिक रूप से मजबूत हो और उसके पास विकास के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हों।

पर्यटन मंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले उ.प्र. की आर्थिक स्थिति चुनौतीपूर्ण थी, सरकारी कर्मचारियों के वेतन भुगतान के लिए भी कई-कई दिनों तक ट्रेजरी में धन उपलब्ध नहीं होता था और वेतन वितरण में विलंब होता था लेकिन पिछले लगभग 09 वर्षों में डबल इंजन सरकार ने वित्तीय अनुशासन, बेहतर प्रबंधन और विकासोन्मुख नीतियों के माध्यम से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी है, आज प्रदेश देश के चुनिंदा सरप्लस रेवेन्यू राज्यों में शामिल हो चुका है, यह प्रदेशवासियों के लिए गर्व का विषय है कि अब सरकार के पास विकास कार्यों के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि यही आर्थिक मजबूती आज शिक्षकों, कर्मचारियों, किसानों, युवाओं और समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के रूप में दिखाई दे रही है, सड़कें, संपर्क मार्ग, आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, निवेश और जन-सुविधाओं के क्षेत्र में लगातार नए कार्य किए जा रहे हैं, कर्मचारियों की सुविधाओं में वृद्धि, कल्याणकारी योजनाओं का विस्तार तथा आम जनता के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए निरंतर निर्णय लिए जा रहे हैं। उन्होने भारतीय संस्कृति में गुरु के सर्वोच्च स्थान का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की पहचान सदियों से गुरु-शिष्य परंपरा के कारण रही है, भारतीय सनातन संस्कृति में गुरु केवल ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं बल्कि जीवन का मार्ग-दर्शक होता है, हमारी सांस्कृतिक विरासत, नैतिक मूल्य और सभ्यता को नई पीढ़ियों तक पहुंचाने का कार्य सदैव गुरु परंपरा ने किया है। उन्होने कहा कि शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पूरा करने तक सीमित न रहकर गुरु की भूमिका निभाते हुए विद्यार्थियों को ज्ञान के साथ संस्कार, अनुशासन, राष्ट्रभक्ति की शिक्षा देंगे तो वही विद्यार्थी भविष्य में विकसित भारत का निमार्ता बनेगें।

पूर्व मंत्री, विधायक भोगांव रामनरेश अग्निहोत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार लगातार प्रत्येक वर्ग के लोगों को जन-कल्याण योजना से लाभान्वित कर रही है, अभी कुछ समय पूर्व ही शिक्षामित्रों, अनुदेशकों के मानदेय में बढ़ोतरी की, आज शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े सभी शिक्षकों, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों, रसोईयों के पूरे परिवार को रू. 05 लाख तक का मुफ्त इलाज की घोषणा की, आज से शिक्षकों के सर से बीमारियों पर व्यय होने वाली धनराशि का बोझ कम हुआ। उन्होंने कहा वर्ष 2017 से पहले इस प्रदेश को बीमारू प्रदेश कहा जाता था, भारत के इंडेक्स में उ.प्र. 14वें स्थान पर था लेकिन आज तीसरे स्थान पर है, दूसरे स्थान पर पहुंचने के लिए तेजी से कदम बढ़ा रहा है। उन्होंने उपस्थित शिक्षकों का आह्वान करते हुए कहा कि देश-प्रदेश के विकास के साथ समाज को नई दिशा देने की जिम्मेदारी आपके कंधों पर है, आप छात्रों को बेहतर शिक्षा के साथ संस्कारवान बनाने की दिशा में कार्य करें, सभी लोग अपने दायित्वों का निर्वहन निष्ठा के साथ करें तभी देश के यशस्वी प्रधानमंत्री का सपना पूरा होगा और भारत वर्ष 2047 तक विकसित देश बनेगा।

प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक गुप्ता ने कहा कि आज का दिन प्रदेश के शिक्षा परिवार के लिए ऐतिहासिक है क्योंकि लंबे समय से शिक्षकों को जिस मांग का इंतजार था, उसे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूरा करने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि समय-समय पर शिक्षक संगठनों ने अपनी समस्याओं और मांगों को सरकार के समक्ष रखा था, मुख्यमंत्री ने शिक्षकों की भावनाओं और आवश्यकताओं को समझते हुए रसोइयों, अनुदेशकों, शिक्षामित्रों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों तथा सभी शिक्षक वर्ग के हित में कैशलेस स्वास्थ्य योजना लागू कर उन्हें बड़ी सौगात दी है। जिलाध्यक्ष ममता राजपूत ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से जनवरी में चर्चा कर शिक्षकों, शिक्षामित्रों अनुदेशकों और रसोइयों के साथ उनके परिजनों को कैशलेस चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराने पर विचार-विमर्श किया और आज इस योजना को मुख्यमंत्री ने शिक्षकों के लिए लागू कर स्वास्थ्य के प्रति सौगात प्रदान की। उन्होने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माण की सबसे मजबूत आधारशिला हैं, भारतीय संस्कृति में गुरु को सर्वोच्च स्थान दिया गया है, उन्होंने संत कबीर का प्रसिद्ध दोहा, ह्लगुरु गोविंद दोउ खड़े, काके लागौ पाय, बलिहारी गुरु आपनो, गोविंद दियो बतायह्ल उद्धृत करते हुए कहा कि भगवान तक पहुंचने का मार्ग भी गुरु ही दिखाते हैं, जीवन में सबसे पहला गुरु माता और उसके बाद शिक्षक, व्यक्ति के व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं।

कार्यक्रम के अंत में जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने सभी आगतुंकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ने आपके और आपके परिवार के स्वास्थ्य की चिंता की। उन्होंने उपस्थित शिक्षकों का आव्हान करते हुए कहा कि शिक्षक राष्ट्र के निर्माण में अपनी भूमिका का निर्वहन करें, छात्रों को सही मार्ग प्रशस्त करने, उन्हें संस्कारवान बनाने की जिम्मेदारी आपके कंधों पर है।

उन्होंने कहा कि बेसिक शिक्षा विभाग पूरे समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते हुए जनपद की शिक्षा व्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का प्रयास करेगा, विशेष रूप से समाज के वंचित, शोषित, गरीब एवं कमजोर वर्ग के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि इन बच्चों के भविष्य को संवारना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है और इसके लिए प्रशासन तथा शिक्षा विभाग मिलकर कार्य करेंगे।

प्राथमिक विद्यालय लहरा महुअन की छात्राओं ने सरस्वती वंदना, कंपोजिट विद्यालय चौथियाना की छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष शिवदत्त भदौरिया, अरविंद तोमर, लोकदल के जिलाध्यक्ष राघवेन्द्र दुबे, उदय सिंह चौहान, अमित गुप्ता, नन्दीश वशिष्ठ, पंकज भदौरिया, सीमा चौहान, सुमित चौहान, जीतू सिसौदिंया, अनुराग मिश्रा, प्रियंका चौहान विशंभर तिवारी, जूनियर शिक्षक संघ गोविन्द पाण्डेय, सुजीत चौहान के अलावा पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद शाहा, मुख्य विकास अधिकारी नेहा बंधु, जिला विद्यालय निरीक्षक सतीश कुमार, क्षेत्रीय प्रबन्धक एसबीआई पंकज तिवारी, जिला बेसिक शिक्षाधिकारी सूर्य प्रताप सिंह, खंड शिक्षाधिकारी, विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी, कर्मचारी आदि उपस्थित रहे, कार्यक्रम का संचालन सतीश मधुप ने किया।

बदरीनाथ चढ़ावा हेराफेरी:

बीकेटीसी की कार्रवाई, आरोपी कर्मचारी नौटियाल निलंबित, तीन सदस्यीय समिति को सौंपी जांच

एजेंसी, बदरीनाथ (चमोली)।

बदरीनाथ मंदिर में चढ़ावे में हेराफेरी करने के आरोपी वैयक्तिक सहायक प्रमोद नौटियाल को निलंबित कर दिया गया है। वहीं गढ़वाल आयुक्त आनंद स्वरूप की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति को जांच सौंपी गई। समिति 15 दिन के भीतर सरकार को जांच रिपोर्ट सौंपेगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बदरीनाथ मंदिर में वित्तीय अनियमितता के आरोपों का सख्त संज्ञान लिया है। बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) ने बदरीनाथ मंदिर में चढ़ावे में हेराफेरी के आरोपी वैयक्तिक सहायक प्रमोद नौटियाल को निलंबित कर दिया है। बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी की ओर से जारी आदेश के अनुसार नौटियाल के विरुद्ध पदीय दायित्वों के निर्वहन में प्रथम दृष्टया गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आने पर तीन जुलाई 2026 को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था।

साथ ही मामले की निष्पक्ष एवं विस्तृत जांच के लिए चार सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया। प्रारंभिक परीक्षण में आरोपों की पुष्टि होने पर निलंबन की कार्रवाई कर नौटियाल को बीकेटीसी कार्यालय जोशीमठ में संबद्ध किया गया है। निलंबन अवधि में सक्षम अधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना मुख्यालय छोड़ने की अनुमति नहीं होगी और उन्हें अनिवार्य रूप से जांच में सहयोग देना होगा।

प्रोटोकॉल और थाली भेंट गणना कार्य से जुड़ा था कर्मचारी

आरोपी कर्मचारी बदरीनाथ धाम में प्रोटोकॉल और थाली भेंट गणना कार्य से जुड़ा हुआ था। ये दोनों व्यवस्थाएं मंदिर संचालन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। प्रोटोकॉल व्यवस्था में पांच कर्मचारी तैनात रहते हैं जबकि थाली भेंट गणना कार्य में छह कर्मचारी अपनी सेवाएं देते हैं। आरोपी कर्मचारी को प्रोटोकॉल का नोडल अधिकारी भी बनाया गया था।

जानकारी के अनुसार संबंधित कर्मचारी की तैनाती पूर्व में बीकेटीसी के देहरादून कार्यालय में थी। इस वर्ष उसे बदरीनाथ धाम में नियुक्त किया गया था। हाल ही में उस पर आर्थिक अनियमितता और चढ़ावे में हेराफेरी के आरोप लगने

मुख्यमंत्री के निर्देश पर उच्चस्तरीय समिति गठित

बदरीनाथ धाम में चढ़ाने में अनियमितता मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर शासन ने मामले की गहन जांच के लिए तीन सदस्यीय उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है। आयुक्त गढ़वाल मंडल आनंद स्वरूप की अध्यक्षता में समिति में प्रबंध निदेशक एनएचएम संदीप तिवारी, स्वास्थ्य महानिदेशक के निदेशक (वित्त) जगत सिंह चौहान सदस्य होंगे। सचिव पर्यटन धीराज गर्ब्याल ने आदेश कर समिति से 15 दिनों में जांच रिपोर्ट शासन को सौंपने के निर्देश दिए हैं।

जांच के दौरान आवश्यकता पड़ने पर समिति किसी भी अधिकारी, विशेषज्ञ अथवा अन्य संबंधित व्यक्ति का सहयोग एवं परामर्श प्राप्त कर सकेगी। साथ ही समिति दान-चढ़ावे के प्रबंधन तंत्र को अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी एवं प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक सुधारात्मक उपायों एवं सुझावों से भी शासन को अवगत कराएगी।

ममता को बड़ा झटका, ईडी ने फ्रीज किए टीएमसी से जुड़े 3 खातों में जमा 440 करोड़ रुपये

एजेंसी, कोलकाता।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से जुड़े कथित संदिग्ध फंड के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपनी जांच का दायरा बढ़ाते हुए पार्टी के उन बैंक खातों पर रोक लगा दी है, जिनमें लगभग 440 करोड़ रुपये जमा बताए जा रहे हैं। यह कार्रवाई स्थानीय पुलिस द्वारा कुछ खातों पर डेबिट फ्रीज लगाए जाने के बाद की गई है। सूत्रों के अनुसार, पुलिस ने पार्टी के वित्तीय लेन-देन को लेकर मिली शिकायतों के आधार पर तीन प्रमुख बैंक खातों से निकासी और अन्य लेन-देन पर अस्थायी रोक लगाई थी। इसके बाद ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामले की जांच शुरू की।

संदिग्ध लेन-देन पर एजेंसी की नजर

प्रारंभिक जांच में 150 करोड़ रुपये से अधिक की राशि के एविएशन और ट्रैवल कंपनियों के माध्यम से स्थानांतरित होने के संकेत मिले हैं। इन्हीं लेन-देन की कड़ियों को जोड़ने के लिए ईडी ने कोलकाता और आसपास के कई परिसरों पर छापेमारी की। जांच के दायरे में एक चार्टर विमान सेवा कंपनी, उसके निदेशक तथा कुछ अन्य संस्थाएं भी शामिल हैं। एजेंसी यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि संबंधित खातों का उपयोग किसी अवैध गतिविधि से अर्जित धन को वैध बनाने के लिए तो नहीं किया गया। फिलहाल ईडी ने मामले पर विस्तृत आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है।

पार्टी ने अदालत में दी चुनौती

खातों पर लगी रोक के खिलाफ टीएमसी ने कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। पार्टी का कहना है कि वित्तीय प्रतिबंधों से उसकी नियमित राजनीतिक और संगठनात्मक गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। मामले की सुनवाई अदालत में जारी है।

रैली के दौरान राजनीतिक तनाव

इसी बीच कोलकाता में एक राजनीतिक रैली के दौरान टीएमसी और भाजपा समर्थकों के बीच नारेबाजी और धक्का-मुक्की की घटना भी सामने आई।

पुलिस ने तत्काल हस्तक्षेप कर स्थिति को नियंत्रित किया और किसी बड़ी अप्रिय घटना को टाल दिया। ईडी की कार्रवाई और न्यायिक प्रक्रिया के बीच पश्चिम बंगाल की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। आने वाले दिनों में जांच की दिशा और अदालत के फैसले पर सभी की निगाहें टिकी रहेंगी।

स्कूली शिक्षा में चंडीगढ़ सबसे आगे, फिर भी 'उत्कर्ष' से दूर, यूपी, बिहार समेत कई राज्य अब भी आकांक्षी श्रेणी में

एजेंसी, नई दिल्ली।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने परफॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स 2.0 की 2025-26 रिपोर्ट जारी कर दी। इस रिपोर्ट में देश के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की स्कूली शिक्षा व्यवस्था का मूल्यांकन किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, चंडीगढ़ ने एक बार फिर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 'उत्तम-3' श्रेणी में स्थान हासिल किया है। हालांकि, कोई भी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश सर्वोच्च 'उत्कर्ष', 'उत्तम-1' या 'उत्तम-2' श्रेणी तक नहीं पहुंच सका। रिपोर्ट यह भी दशार्ती है कि कई बड़े राज्यों में स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार की आवश्यकता अब भी बनी हुई है।

चंडीगढ़ को मिले 761 से 820 अंक PGI 2.0 रिपोर्ट के अनुसार, चंडीगढ़ ने 761 से 820 अंकों के दायरे में प्रदर्शन करते हुए 'उत्तम-3' ग्रेड प्राप्त किया। यह श्रेणी लगभग 61 से 70 प्रतिशत प्रदर्शन का प्रतिनिधित्व करती है। हालांकि चंडीगढ़ देश में शीर्ष पर रहा, लेकिन वह अब भी सर्वोच्च श्रेणियों से काफी पीछे है। इससे स्पष्ट होता है कि देश में स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता में अभी और सुधार की जरूरत है। उत्तर प्रदेश, बिहार समेत कई राज्य आकांक्षी श्रेणी में

रिपोर्ट के मुताबिक उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, झारखंड, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर सहित कई राज्य अब भी 'आकांक्षी-1' श्रेणी में शामिल हैं। इन राज्यों का प्रदर्शन 521 से 580 अंकों के बीच रहा। रिपोर्ट संकेत देती है कि इन क्षेत्रों में शिक्षा की गुणवत्ता, सीखने के परिणाम और बुनियादी सुविधाओं में व्यापक सुधार की आवश्यकता है।

गर्भावस्था के आधार पर आईपीएस अधिकारी को प्रशिक्षण से रोकने पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, केंद्र सरकार से

एजेंसी, नई दिल्ली।

गर्भवती महिला आईपीएस अधिकारियों को प्रोबेशन के दौरान प्रशिक्षण से रोकने वाले वर्ष 1993 के गृह मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन की वैधता पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। शीर्ष अदालत ने पूछा कि यदि कोई अधिकारी चिकित्सकीय रूप से प्रशिक्षण के लिए पूरी तरह सक्षम है, तो उसे केवल गर्भावस्था या मातृत्व के आधार पर प्रशिक्षण से दूर रखने का औचित्य क्या है। जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस श्री चंद्रशेखर की पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि सभी महिलाओं पर एक समान नियम लागू करना उचित नहीं हो सकता। अदालत ने टिप्पणी की कि महिलाओं के हित में बनाए गए प्रावधानों का उपयोग उनके अधिकार सीमित करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। पीठ ने यह भी कहा कि किसी महिला की स्वास्थ्य स्थिति व्यक्तिगत होती है और उसका आकलन मेडिकल फिटनेस के आधार पर किया जाना चाहिए।

2023 बैच की आईपीएस अधिकारी उर्वशी सेंगर मध्य प्रदेश कैडर की 2023 बैच की आईपीएस अधिकारी उर्वशी सेंगर ने इस मामले में याचिका दायर की है। उन्होंने नवंबर 2023 में प्रशिक्षण का पहला चरण पूरा किया था। अप्रैल 2025 में दूसरे चरण के दौरान गर्भवती होने पर उन्हें प्रशिक्षण स्थगित कर अगले बैच के साथ इसे पूरा करने का निर्देश दिया गया।

प्रशिक्षण में शामिल होने की अनुमति मांगी प्रसव के बाद सितंबर 2025 में सेंगर ने मेडिकल फिटनेस प्रमाणपत्र के आधार पर प्रशिक्षण में शामिल होने की अनुमति मांगी, लेकिन सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी ने 1993 के नियम का हवाला देते हुए उनकी मांग अस्वीकार कर दी। इसके बाद उन्होंने केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण का रुख किया, जहां से उन्हें अंतरिम राहत मिली। हालांकि, अकादमी ने इस आदेश को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी और हाईकोर्ट ने CAT के आदेश पर रोक लगाते हुए कहा कि संबंधित नियम महिला अधिकारी और उसके शिशु के हितों को ध्यान में रखकर बनाए गए हैं। अब सुप्रीम कोर्ट इस मामले की विस्तृत सुनवाई कर रहा है, जिसका फैसला भविष्य में महिला अधिकारियों के सेवा अधिकारों और प्रशिक्षण नीतियों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है।

कोर्ट में केंद्र सरकार की दलील

सुनवाई के दौरान न्यायालय ने केंद्र से यह भी पूछा कि क्या याचिकाकर्ता उर्वशी सेंगर को जून 2026 से आरंभ हुए प्रशिक्षण सत्र में शामिल होने की अनुमति दी जा सकती है। केंद्र सरकार ने दलील दी कि एक अधिकारी को छूट देने से भविष्य में ऐसे कई मामलों में समान मांगें उठ सकती हैं। वहीं, याचिकाकर्ता की ओर से बताया गया कि पूर्व में भी कुछ महिला अधिकारियों को विशेष परिस्थितियों में राहत दी जा चुकी है।

पुणे में बारिश के बीच कचरे का ढेर इमारत पर गिरा, भवन ढहा, 16 के फंसे होने की आशंका

एजेंसी, पुणे।

पुणे जिले के पिंपरी-चिंचवड़ क्षेत्र में बुधवार को भारी बारिश के दौरान बड़ा हादसा हो गया। मोशी स्थित कचरा प्रसंस्करण स्थल के पास जमा कचरे का विशाल ढेर अचानक खिसककर एक तीन मंजिला प्रशासनिक भवन पर आ गिरा, जिससे इमारत भरभराकर ढह गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, भवन के मलबे में लगभग 16 लोगों के दबे होने की आशंका है। घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, यह भवन एक निजी कंपनी के प्रशासनिक कार्यालय के रूप में उपयोग में लाया जा रहा था, जो नगर निकाय के लिए कचरा प्रसंस्करण का कार्य करती है। लगातार हो रही बारिश के कारण कचरे के ऊंचे ढेर की मिट्टी और अपशिष्ट ढीले पड़ गए, जिससे यह हादसा हुआ।

बचाव कार्य में जुटीं कई एजेंसियां घटना की सूचना मिलते ही एनडीआरएफ, अग्निशमन विभाग और स्वास्थ्य सेवाओं की टीमें मौके पर पहुंच गईं। भारी मशीनों की मदद से मलबा हटाने और संभावित रूप से फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने का अभियान तेजी से चलाया जा रहा है। प्रशासन ने आसपास के क्षेत्र को खाली कराकर सुरक्षा घेरा बना दिया है। मुंबई में भी बारिश से बढ़ीं मुश्किलें उधर, मुंबई में लगातार हो रही बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित रहा। अंधेरी इलाके में पेड़ की एक बड़ी डाल गिरने से एक राहगीर गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत फिलहाल स्थिर है।

भारी वर्षा के चलते लोकल ट्रेन सेवाओं और लंबी दूरी की रेलगाड़ियों का संचालन भी प्रभावित हुआ है। कई स्थानों पर जलभराव और भूस्खलन के कारण यातायात बाधित रहा।

केंद्र ने दिया हर संभव सहायता का भरोसा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से फोन पर बातचीत कर स्थिति की जानकारी ली और केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक रुक-रुक कर बारिश जारी रहने की संभावना जताई है, जिसके मद्देनजर प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

शौकीनों को लगेगा झटका!

तमिलनाडु में महंगी हो सकती है शराब और बीयर, अगले हफ्ते से नई कीमतें लागू होने के आसार

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन (टीएएसएमएसी) की दुकानों पर बिकने वाली शराब और बीयर की खुदरा कीमतें बढ़ाने पर विचार कर रही है।सरकार इस संबंध में अगले दो दिनों के भीतर आधिकारिक घोषणा की जा सकती है। यदि प्रस्ताव को मंजूरी मिलती है, तो नई कीमतें अगले सप्ताह से पूरे राज्य में लागू हो जाएंगी।

टीएएसएमएसी राज्य में शराब की बिक्री करने वाली एकमात्र सरकारी संस्था है। फिलहाल तमिलनाडु में इसकी 4,048 शराब की दुकानें संचालित हो रही हैं। इन दुकानों से इंडियन मेड फॉरेन लिकर (आईएमएफएल), बीयर, वाइन और आयातित शराब की बिक्री होती है। इनकी बिक्री से राज्य सरकार को औसतन 150 करोड़ रुपए प्रतिदिन का राजस्व प्राप्त होता है, जिससे यह सरकार की सबसे बड़ी आय के स्रोतों में से एक है।

टीएएसएमएसी अधिकारियों के मुताबिक, प्रस्तावित संशोधन के तहत सामान्य और मिड-रेंज शराब ब्रांडों के साथ-साथ बीयर की कीमत में प्रति बोतल 10 रुपए से 50 रुपए तक की बढ़ोतरी हो सकती है। यह बढ़ोतरी शराब की श्रेणी के अनुसार अलग-अलग होगी। प्रस्तावित मूल्य वृद्धि के दायरे में व्हिस्की, ब्रांडी, रम और वोडका जैसे लोकप्रिय आईएमएफएल ब्रांड भी शामिल किए जाने की संभावना है। हाल ही में हुई टीएएसएमएसी प्रबंधन बोर्ड की बैठक में इस प्रस्ताव पर चर्चा की गई। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है और कीमतों में कितनी बढ़ोतरी होगी, इस पर विचार जारी है।

ट्रंप का बड़ा दावा: 'ईरान के साथ समझौता खत्म'

80 से अधिक ठिकानों पर अमेरिकी हमलों के बाद बढ़ा तनाव

एजेंसी, अंकारा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ किसी भी संभावित समझौते को लेकर बड़ा बयान देते हुए कहा है कि उनकी नजर में तेहरान के साथ बातचीत का रास्ता लगभग समाप्त हो चुका है। नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ बातचीत करना अब "समय की बर्बादी" है। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी सेना ने ईरान और होर्मुज क्षेत्र में 80 से अधिक सैन्य ठिकानों पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए हैं। इन घटनाओं ने पहले से तनावपूर्ण अमेरिका-ईरान संबंधों को और अधिक गंभीर बना दिया है।

80 से अधिक ठिकानों पर कार्रवाई का दावा अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, अमेरिकी सेना ने ईरान के 80 से अधिक सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर एयरस्ट्राइक की है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई होर्मुज क्षेत्र में जहाजों पर हुए हमलों के जवाब में की गई। अमेरिका का आरोप है कि इन हमलों के पीछे ईरान समर्थित तत्वों की भूमिका रही, जिसके बाद सैन्य जवाबी कार्रवाई का फैसला लिया गया। हालांकि, ईरान की ओर से अमेरिकी दावों पर अलग रुख अपनाया गया है और उसने अमेरिका पर क्षेत्रीय तनाव बढ़ाने का आरोप लगाया है।

ईरानी जवाबी कार्रवाई के बाद ट्रंप का सख्त रुख अमेरिकी हमलों के बाद ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया कि उसने जवाबी कार्रवाई करते हुए बहरीन और कुवैत में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। ईरानी सेना ने इसे अमेरिकी हमलों का प्रतिकार बताया। इसी घटनाक्रम के बाद ट्रंप ने ईरान के खिलाफ तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने तेहरान के नेतृत्व की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि अब उनके साथ किसी समझौते की संभावना लगभग समाप्त हो चुकी है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ऐसे व्यवहार को स्वीकार नहीं करेगा और अपने हितों की रक्षा के लिए हर आवश्यक कदम उठाएगा।

परमाणु कार्यक्रम खत्म करना अमेरिका का लक्ष्य ट्रंप ने स्पष्ट किया कि अमेरिका का मुख्य उद्देश्य ईरान के परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह समाप्त करना है। उनके अनुसार, यदि ईरान परमाणु क्षमता बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ता है तो यह केवल अमेरिका ही नहीं बल्कि पूरे अंतरराष्ट्रीय समुदाय की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा होगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका किसी भी स्थिति में ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने की अनुमति नहीं देगा और इसके लिए सैन्य, कूटनीतिक तथा आर्थिक सभी विकल्प खुले रखे जाएंगे।

नाटो सहयोगियों पर भी जताई नाराजगी नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान ट्रंप ने गठबंधन के सहयोगी देशों पर भी असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने लंबे समय से अपने सहयोगियों की सुरक्षा के लिए बड़ी भूमिका निभाई है, लेकिन ईरान जैसे मुद्दों पर उसे अपेक्षित समर्थन नहीं मिला। ट्रंप ने आरोप लगाया कि नाटो देशों ने ईरान के खिलाफ अमेरिका का पर्याप्त साथ नहीं दिया। उनका कहना था कि यदि आतंकवाद और क्षेत्रीय अस्थिरता से प्रभावी ढंग से निपटना है तो सहयोगी देशों को अधिक स्पष्ट और सक्रिय भूमिका निभानी होगी। मध्य पूर्व में बढ़ सकता है तनाव विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता सैन्य टकराव पूरे मध्य पूर्व की सुरक्षा स्थिति को प्रभावित कर सकता है। होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का महत्वपूर्ण मार्ग माना जाता है और यहां किसी भी प्रकार का सैन्य संघर्ष अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार तथा समुद्री व्यापार पर व्यापक असर डाल सकता है।

अमेरिका और ईरान दोनों की ओर से लगातार आक्रामक बयानबाजी और सैन्य कार्रवाई के दावों के बीच अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजर अब इस बात पर है कि क्या दोनों देश तनाव कम करने के लिए कूटनीतिक रास्ता अपनाते हैं या क्षेत्र में संघर्ष और गहरा होता है। फिलहाल हालात बेहद संवेदनशील बने हुए हैं और आने वाले दिनों में दोनों देशों की अगली रणनीति पर पूरी दुनिया की निगाह रहेगी।

बांग्लादेश में कुदरत का कहर: कॉक्स बाजार के रोहिंग्या कैंप में भूस्खलन, मलबे में दबने से 8 मासूम बच्चों की मौत

एजेंसी, ढांका।

बांग्लादेश के कॉक्स बाजार से एक बेहद दर्दनाक और झकझोर देने वाली खबर सामने आई है। यहां के उखिया उपजिले में स्थित रोहिंग्या शरणार्थी शिविर पर कुदरत का कहर टूटा है। लगातार भारी बारिश के बाद अचानक भीषण भूस्खलन हुआ। इस तबाही में मिट्टी के ढहने से आठ मासूम बच्चों की मलबे में दबकर मौत हो गई है। वहीं पांच घायल बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद पूरे शरणार्थी शिविर में चीख-पुकार मच गई। चारों तरफ सिर्फ मातम और बेबसी का मंजर दिखाई दे रहा है। स्थानीय प्रशासन और बचाव टीमें तुरंत मौके पर पहुंच चुकी हैं। मलबे को हटाने और राहत कार्य का काम तेजी से चलाया जा रहा है।

क्या मलबे में और भी जिंदगियां दबी हैं?

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और राहत दल राहत कार्य में जुट गए। संकरे रास्ते और लगातार हो रही बारिश के कारण बचाव कार्य में भारी दिक्कतें आ रही हैं। प्रशासन पूरी मुस्तैदी से स्थिति को संभालने की कोशिश कर रहा है। प्रभावित परिवारों में कोहराम मचा हुआ है। अपनों को खोने का गम साफ देखा जा सकता है। सुरक्षा बलों और स्वयंसेवकों की मदद से मलबे को हटाने का काम युद्ध स्तर पर जारी है। यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी इस तरह के हादसों में सैकड़ों शरणार्थी अपनी जान गंवा चुके हैं। हर साल मानसून आते ही यहां रहने वाले लाखों लोगों की धड़कनें बढ़ जाती हैं। प्रशासन को इन संवेदनशील इलाकों के लिए कोई ठोस नीति बनानी होगी।

तबाही का मंजर

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, यह हादसा इतना अचानक हुआ कि किसी को संभलने का मौका तक नहीं मिला। पहाड़ से भारी मात्रा में गीली मिट्टी सीधे अस्थायी झोपड़ियों पर आ गिरी। उस समय बच्चे घरों के भीतर ही मौजूद थे। अचानक आई इस आपदा ने मासूमों को संभलने का एक पल भी नहीं दिया। रोहिंग्या कैंपों की भौगोलिक स्थिति हमेशा से बेहद संवेदनशील रही है। यह क्षेत्र चारों तरफ से मिट्टी के कच्चे पहाड़ों और टीलों से घिरा हुआ है। मानसून के मौसम में यहां का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। लगातार होने वाली तेज बारिश मिट्टी को कमजोर कर देती है, जिससे ऐसे भीषण हादसे होते हैं।

कलम, कैमरा और कलाकार

सूरज तिवारी: आगरा की कला को वैश्विक क्षितिज देने वाले 'सूर्यकांत'

एंटरटेनमेंट की दुनिया में आगरा की माटी का एक गौरवशाली हस्ताक्षर

आपकी कहानी, TNF Today की जुबानी:

क्या आप भी कला के साधक हैं? यदि आपने कला के क्षेत्र में 10 वर्षों से अधिक का योगदान दिया है, तो हमसे जुड़ें। संपर्क: 9412359817

सिनेमाई दुनिया की चकाचौंध के बीच, जब बात जमीनी हकीकत और कला को पर्दे पर जीवंत करने की आती है, तो सूरज तिवारी "सूर्यकांत" का नाम एक ध्रुवतारे की तरह चमकता है। एम.ए. (थिएटर एंड आर्ट्स) की अकादमिक डिग्री और पुणे (फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट) से सिनेमा मेकिंग की गहन बारीकियां सीखने वाले सूरज तिवारी केवल एक निर्माता-निर्देशक नहीं हैं, बल्कि आगरा में फिल्म और थियेटर संस्कृति के पुनर्जागरण के सूत्रधार भी हैं। उनका व्यक्तित्व एक ऐसे "सूर्यकांत" के समान है जो अपनी कला की किरणों से स्थानीय प्रतिभाओं को अंधेरे से निकालकर प्रकाश की ओर ले जा रहे हैं। सूरज तिवारी की फिल्मों की सबसे बड़ी विशेषता उनका 'यथार्थवादी दृष्टिकोण' है। वे केवल कहानी नहीं कहते, बल्कि समाज के उन अनछुए पहलुओं को पर्दे पर उतारते हैं जिन्हें अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। उनकी निर्देशन शैली में एक ऐसी सादगी और गहराई है जो दर्शकों को फिल्म के पात्रों के साथ भावनात्मक रूप से जोड़ देती है।

सूरज तिवारी के सिनेमाई सफर की गौरवगाथा

सूरज तिवारी के निर्देशन में बनी फिल्में केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सामाजिक सरोकारों का भी एक सशक्त आईना रही हैं। थिएटर की बारीकियों से सिनेमा की चकाचौंध तक का उनका सफर एक तपस्या की तरह रहा है। उन्होंने आगरा के मंचों पर वर्षों तक अभिनय और निर्देशन के प्रयोग किए। यही अनुभव उनकी फिल्मों में भी झलकता है, जहाँ वे कलाकारों से बेहतरीन अभिनय करवाने में महारत रखते हैं। यह संघर्ष ही है जिसने उन्हें एक संवेदनशील फिल्ममेकर बनाया है। उनके काम का दायरा काफी विस्तृत है:

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिः

सूरज तिवारी की निर्देशित फिल्में, विशेष रूप से "तलाक अब नहीं" और "आई. एम. जीरो", ने न केवल भारतीय दर्शकों के बीच अपनी जगह बनाई है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों में भी अपनी विशिष्ट छाप छोड़ी है।

तकनीकी और रचनात्मक दक्षताः

सूरज तिवारी ने मिनिस्ट्री ऑफ डिफेंस की ऑर्डिनेंस फैक्ट्री जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं के साथ जुड़कर अपनी तकनीकी दक्षता को सिद्ध किया है।

कला का प्रदर्शनः

पद्मश्री कैलाश खेर की सुमधुर आवाज में तैयार "आगरा बोलता है" गीत के माध्यम से इन्होंने स्थानीय संस्कृति को एक नई वैश्विक पहचान दिलाने का अभिनव कार्य किया है।

वैश्विक फिल्म फेस्टिवल का सूत्रपातः

पिछले 6 वर्षों से "ग्लोबल ताज इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल" (GTIFF) का सफलतापूर्वक संचालन कर उन्होंने आगरा को फिल्म निर्माण, प्रदर्शन और विचार-विमर्श का एक बड़ा केंद्र बनाकर वैश्विक मानचित्र पर स्थापित कर दिया है।

नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा और मार्गदर्शन का स्रोतः प्रतिभाओं के सारथी

सूरज तिवारी का सबसे बड़ा और सराहनीय योगदान युवा कलाकारों को सही दिशा और अवसर प्रदान करना है। उन्होंने केवल अपनी फिल्में नहीं बनाईं, बल्कि एक मेंटर की भूमिका निभाते हुए आशीष शर्मा, रिद्धि अरोरा और विकास जैन जैसे अनेक उभरते कलाकारों को तराशने का काम किया है। उनके मार्गदर्शन में तैयार हुए इन कलाकारों ने मुम्बई की चुनौतीपूर्ण इंडस्ट्री में न केवल प्रवेश किया, बल्कि अपनी अभिनय प्रतिभा के बल पर अपनी एक अलग और विशिष्ट पहचान भी बनाई है।

बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी

एक लेखक की संवेदनशीलता, एक निर्देशक की दूरदर्शिता और एक आर्ट कन्वेनर का प्रबंधन कौशल–सूरज तिवारी में इन तीनों का अनूठा और दुर्लभ संगम है। नाटकों के मंचन से लेकर म्यूजिक वीडियोज और गंभीर डॉक्यूमेंट्री तक, उनकी लेखनी और कैमरा वर्क का जादू दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने की क्षमता रखता है। उनका सिनेमा के प्रति अटूट समर्पण और पिछले कई वर्षों का अनवरत संघर्ष, आज के युवाओं के लिए सफलता का एक मार्गदर्शक दस्तावेज है, जो यह सिद्ध करता है कि आगरा की प्रतिभा किसी भी वैश्विक मंच पर अपना परचम लहराने में सक्षम है।

सलमान खान से तुलना पर कुनाल खेमू बोले, 'मैं किसी की नकल करने की कोशिश नहीं कर रहा'

अभिनेता कुनाल खेमू का कहना है कि रियलिटी शो 'एलायंस' के साथ होस्ट के रूप में अपने डेब्यू के बाद वह सलमान खान से की जा रही तुलना के बारे में नहीं सोच रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह इस शो में बिना किसी पूर्वधारणा के प्रवेश कर रहे हैं और सिर्फ अपने स्वाभाविक अंदाज में रहना चाहते हैं। आईएएनएस से विशेष बातचीत में जब कुनाल से पूछा गया कि क्या उनके मन में सलमान खान से तुलना का विचार है, जो पिछले एक दशक से अधिक समय से रियलिटी शो की दुनिया का एक बड़ा चेहरा रहे हैं, तो उन्होंने बेबाकी से जवाब दिया, "मैंने इस बारे में बिल्कुल नहीं सोचा। लोग मुझसे बहुत पहले से यह काम कर रहे हैं और बहुत अच्छे तरीके से कर रहे हैं।" उन्होंने आगे कहा कि उनका न तो किसी की शैली की नकल करने का इरादा है और न ही जानबूझकर खुद को सबसे अलग दिखाने की कोशिश।

"आपकी सोच और परवरिश ऐसी होती है कि शायद आपको लगता है कि यही तरीका है, क्योंकि आपने कुछ और देखा ही नहीं है। इसलिए मैं न तो किसी की नकल करने की कोशिश कर रहा हूं और न ही किसी से अलग बनने की।" कुनाल ने इसे अपने लिए पूरी तरह नया अनुभव बताते हुए स्वीकार किया कि उन्हें खुद भी नहीं पता कि समय के साथ वह किस तरह के होस्ट बनकर उभरेंगे। उन्होंने कहा, "जैसा मैंने बताया, मैं इसमें बिना किसी तय योजना के उतर रहा हूं। मुझे खुद भी नहीं पता। हो सकता है बाद में कोई कहे कि मेरी यही शैली बन गई या यह कुछ अलग है। मुझे नहीं पता। मैं बस वही कर रहा हूं जो मुझे सही लगता है।" गौरतलब है कि सलमान खान अब तक रियलिटी शो 'बिग बॉस' के 15 सीजन होस्ट कर चुके हैं और उन्हें इस क्षेत्र के सबसे लोकप्रिय होस्ट्स में गिना जाता है। वर्कफ्रंट की बात करें तो कुनाल खेमू आखिरी बार फिल्म 'मडगांव एक्सप्रेस' में नजर आए थे। यह उनके निर्देशन की पहली फिल्म भी थी, जिसे इसकी अनोखी कहानी और कलाकारों के अभिनय के लिए सराहना मिली थी।

लॉर्ड्स में महिलाओं का टेस्ट मैच एक शानदार मौकाः भारतीय कोच

एजेंसी, लंदन।

भारत और इंग्लैंड की महिला टीमों के बीच 10 जुलाई से लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर इकलौता टेस्ट मैच खेला जाएगा। इस खास मौके पर खुशी जाहिर करते हुए भारतीय हेड कोच अमोल मजूमदार ने बुधवार को कहा कि 'होम ऑफ क्रिकेट' में टेस्ट मैच खेलना किसी भी भारतीय क्रिकेटर का सबसे बड़ा सपना होता है। मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में मजूमदार ने कहा, "यह सोचकर ही हैरानी होती है कि लॉर्ड्स में यह पहला टेस्ट मैच (विमेंस) है। इसके बावजूद, मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं। मैं इस आयोजन से जुड़े सभी लोगों को शुभकामनाएं देना चाहता हूं। यह एक शानदार मौका है और हम इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। किसी भी भारतीय क्रिकेटर के लिए टेस्ट मैच खेलना ही एक सपना होता है, फिर लॉर्ड्स में खेलने की बात ही अलग है।

मुझे यकीन है कि इस मुकाबले में जो भी खिलाड़ी सफेद जर्सी पहनकर मैदान पर उतरेंगे, उन्हें लॉर्ड्स में टेस्ट मैच खेलने पर गर्व होगा।" उन्होंने कहा, "हमने ड्रेसिंग रूम में हमेशा यही बात कही है। पारंपरिक रूप से हमने टेस्ट मुकाबलों में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले ही हर कोई लॉर्ड्स में होने वाले टेस्ट मैच के बारे में बात कर रहा था। अब वह समय आ गया है, इसलिए खिलाड़ी निश्चित रूप से इसे लेकर उत्साहित होंगे।"

भारत ने विमेंस टी20 वर्ल्ड कप में निराशाजनक प्रदर्शन किया। लीग स्टेज से बाहर होने के बाद भारतीय टीम इंग्लैंड के विरुद्ध इस टेस्ट मैच में उतरेगी। मजूमदार ने स्वीकार किया है कि हालांकि प्रदर्शन 'मिला-जुला' रहा, लेकिन टीम ने सफलतापूर्वक अपना ध्यान सबसे लंबे फॉर्मेट पर लगा लिया है।

उन्होंने कहा, "सच कहूं तो, यह मिला-जुला रहा है। हमें हार से उबरना था। हम निश्चित रूप से निराश थे। हमारा वर्ल्ड कप बहुत अच्छा नहीं रहा, लेकिन इसके बावजूद, टीम का जज्बा सामने आना जरूरी था और हमें उस दौर से बाहर निकलकर जल्द ही टेस्ट मैच की तैयारी में जुटना था। मुझे लगता है कि हम ऐसा करने में कामयाब रहे हैं। हमने वर्म्सले क्रिकेट क्लब में तैयारी के पांच बहुत अच्छे दिन बिताए। यह एक खूबसूरत मैदान है और तैयारी के लिए एकदम सही जगह है और फिर यहां लॉर्ड्स में भी। हमारी तैयारी अच्छी रही है।"

मजूमदार ने अपनी खिलाड़ियों से पिछली निराशाओं को पीछे छोड़कर वर्तमान में जीने का आग्रह करते हुए कहा, "मुझे लगता है कि हमें बस वर्तमान में रहने की जरूरत है। जो बीत गया, उसे हम बदल नहीं सकते। हम यह जानते हैं, हमने टीम के अंदर इस पर चर्चा की है। जो हो चुका है, उसे हम बदल नहीं सकते। हमें बस आगे देखना है और आने वाले इवेंट के लिए बेहतरीन तैयारी करनी है। मुझे यकीन है कि सभी खिलाड़ी टेस्ट मैच का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बस निराशा को एक तरफ रखें, वर्तमान में जिएं और आगे की ओर देखें।"

हेड कोच ने बताया कि ओपनर प्रतिका रावल इंग्लैंड के खिलाफ इस टेस्ट मैच से बाहर हो गई हैं, जिन्हें टॉटन में इंग्लैंड-ए के खिलाफ भारत-ए के दूसरे वनडे मैच में फील्डिंग करते समय घुटने में चोट लग गई थी। इस बड़े मुकाबले के लिए उनकी जगह दाएं हाथ की बल्लेबाज प्रिया पुनिया को टीम में शामिल किया गया है।

मजूमदार ने कहा, "मैं बताना चाहूंगा कि प्रतिका रावल इंडिया ए मैच में लगी चोट के कारण टेस्ट मैच से बाहर हो गई हैं। उनके घुटने पर कट लग गया था, जिसके लिए कुछ टांके लगाने पड़े। इसलिए मुझे लगता है कि वह टेस्ट मैच के लिए उपलब्ध नहीं होंगी और प्रिया पुनिया को टीम में शामिल किया गया है।"

फीफा विश्व कपः अर्जेंटीना के खिलाफ मैच में रेफरी के फैसलों से निराश मिस्र ने फीफा से की शिकायत

एजेंसी, काहिरा।

फीफा विश्व कप 2026 में मंगलवार को राउंड ऑफ 16 के एक रोमांचक मुकाबले में 2 गोल से बढ़त बनाने के बावजूद मिस्र को अर्जेंटीना के खिलाफ 3-2 से हार का सामना करना पड़ा। हार के बाद मिस्र के खिलाड़ियों ने मैच के दौरान रेफरी फ्रैंकोइस लेटेक्सियर द्वारा लिए गए कुछ फैसलों पर निराशा जताई। एक रिपोर्ट के मुताबिक, मिस्र फुटबॉल फेडरेशन ने मंगलवार को अटलांटा में गत चैंपियन अर्जेंटीना के खिलाफ 3-2 से मिली नाटकीय हार के बाद रेफरी फ्रैंकोइस लेटेक्सियर के फैसलों के खिलाफ आधिकारिक विरोध जताते हुए फीफा गवर्निंग बॉडी से संपर्क किया है। मिस्र के खिलाड़ियों के गुस्से और निराशा का कारण उनके खिलाफ गए कुछ फैसले हैं, जिनमें वीएआर समीक्षा के बाद एक गोल को नामंजूर करना और अर्जेंटीना के विजयी गोल की तैयारी में एक पेनल्टी अपील का समीक्षा नहीं किया जाना शामिल है।

स्पैनिश पब्लिकेशन डियारियो एएस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, मिस्र फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष, हनी अबो रिडा ने फ्रेंच रेफरी फ्रैंकोइस लेटेक्सियर और उनकी रेफरी टीम के खिलाफ फीफा में एक आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई है।

वर्क फ्रॉम होम या बारिश का जादू? नुसरत भरूचा का मजेदार पोस्ट हुआ वायरल

वर्क फ्रॉम होम के दौरान ध्यान भटकना आजकल लगभग हर किसी की कहानी बन चुकी है। लेकिन अभिनेत्री नुसरत भरूचा के लिए इसकी वजह कोई सोशल मीडिया या फोन नहीं, बल्कि मानसून का खूबसूरत नजारा है। हाल ही में अभिनेत्री ने अपने घर पर वर्कआउट करते हुए कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं, जिनमें उनकी फिटनेस के साथ-साथ बारिश से सराबोर खूबसूरत माहौल ने भी सबका ध्यान खींच लिया। तस्वीरों में नुसरत व्हाइट स्पोर्ट्स टॉप, ब्राइट रेड शॉर्ट्स और मैचिंग स्नीकर्स पहने नजर आ रही हैं। वह डंबल्स के साथ एक्सरसाइज, स्क्वैट्स और स्ट्रेचिंग करती दिखाई दे रही हैं। वहीं कुछ तस्वीरों में वह अपनी बालकनी में खड़े होकर बारिश के मनमोहक नजारे का आनंद लेती भी नजर आ रही हैं। वैसे घर पर रहकर फिटनेस को प्राथमिकता देने के साथ उन्होंने एक बार फिर हेल्दी लाइफस्टाइल की झलक दिखाई है। हालांकि, इस पोस्ट की सबसे खास बात उसका कैप्शन है। मानसून के खूबसूरत मौसम और हरियाली से घिरे नजारों के बीच नुसरत ने मजाकिया अंदाज में लिखा, "उन्होंने कहा था, वर्क फ्रॉम होम" उनका यह कैप्शन साफ तौर पर इशारा करता है कि ऐसे सुहाने मौसम में काम पर ध्यान केंद्रित करना कितना मुश्किल हो जाता है।

पोस्ट में बालकनी से दिखता हराभरा नजारा, बादलों से घिरा आसमान और शांत वातावरण मानसून की खूबसूरती को और भी खास बना रहा है। यही वजह है कि नुसरत का यह पोस्ट उन लोगों से भी जुड़ गया जो घर से काम करते हुए अक्सर बारिश के मौसम में खिड़की या बालकनी की ओर खिंचे चले जाते हैं। नुसरत भरूचा अपने सोशल मीडिया पर अक्सर अपनी रोजमर्रा की जिंदगी की झलकियां साझा करती रहती हैं। कभी फिटनेस, कभी फैशन, कभी ट्रैवल तो कभी पर्दे के पीछे के खास पलों से सजे उनके पोस्ट फैंस को काफी पसंद आते हैं। इस बार भी उनका यह हल्का-फुल्का और रिलेटेबल पोस्ट सोशल मीडिया पर लोगों का दिल जीत रहा है और याद दिला रहा है कि कभी-कभी काम के बीच कुछ पल प्रकृति का आनंद लेना भी जरूरी होता है।

पारिवारिक विरासत को संभालकर राजनीति में अपना जलवा बिखेर रहे अनिकेत तोमर

पूर्वजों की गौरवमयी विरासत को संभालकर आगरा की राजनीति में अपनी बौद्धिक क्षमता का जलवा बिखेर रहे युवा नेता अनिकेत तोमर

शमसाबाद के प्रतिष्ठित तोमर परिवार के संस्कारों से लेकर भाजपा युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष पद तक जानिए अनिकेत तोमर का सफरनामा

दिल्ली और बंगाल के चुनावी समर में सांगठनिक कूटनीति का लोहा मनवाने वाले आगरा के प्रखर युवा उद्यमी अनिकेत तोमर पर विशेष आलेख

भारत सुशासन यात्रा में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले युवाओं के चहेते और मिलनसार व्यक्तित्व के धनी अनिकेत तोमर

सियासी सिरमौर

अनिकेत तोमर

सांगठनिक कुशलता और राष्ट्रीय स्तर के राजनैतिक अभियानों में उत्तर प्रदेश का गौरवमयी प्रतिनिधित्व

आज के आधुनिक दौर में जहाँ समाज की युवा पीढ़ी अपनी दिशा से भटक रही है और अपने पूर्वजों के बनाए मान सम्मान को सहेजने में असफल साबित हो रही है वहीं दूसरी तरफ कुछ ऐसे विरले और विलक्षण युवा भी हैं जो अपने परिवार की गौरवमयी राजनैतिक विरासत को न केवल पूरी निष्ठा से संभाल रहे हैं बल्कि अपनी प्रखर बुद्धिमत्ता के बल पर सार्वजनिक जीवन में अपना एक नया जलवा भी बिखेर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता और आगरा के प्रमुख युवा उद्यमी अनिकेत तोमर आज इसी ऊर्जावान और आदर्श युवा पीढ़ी के सबसे बड़े प्रतीक बनकर उभरे हैं। बीबीए की उच्च व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त अनिकेत तोमर स्वभाव से अत्यंत मिलनसार व्यवहार कुशल और एक प्रखर बौद्धिक राजनेता हैं जिनकी नई उम्र के युवाओं के बीच बहुत ही गहरी और मजबूत पकड़ मानी जाती है।

विरासत में मिली जनसेवा की पावन सीख और सुदृढ़ राजनैतिक पृष्ठभूमि

अनिकेत तोमर को राजनीति और जनसेवा का यह जज्बा अपने परिवार से विरासत में प्राप्त हुआ है जिसका आगरा एवं फतेहाबाद क्षेत्र की सक्रिय राजनीति में सन 1980 से ही एक बहुत बड़ा और ऐतिहासिक प्रभाव रहा है। उनके दादाजी ठा मानसिंह तोमर जी ने सन 1995 से 2000 तथा पुनः सन 2010 से 2015 तक शमसाबाद के कब्लॉक प्रमुख के रूप में जनता की अनुकरणीय सेवा की थी। उनकी दादी श्रीमती रतन देवी ने सन 2010 से 2015 तक क्षेत्र पंचायत सदस्य रहकर विसरी गोरवा गांव के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके साथ ही उनकी माताजी विजय रानी ने सन 2000 से 2005 तक शमसाबाद की ब्लॉक प्रमुख रहकर महिला सशक्तिकरण की नई मिसाल पेश की और उनके पिताजी अजयपाल सिंह ने भी सन 2000 से 2005 तक क्षेत्र पंचायत सदस्य रहकर ग्रामीण अंचलों के विकास को एक नई गति प्रदान की थी। इसी महान और राष्ट्रभक्त परिवार के संस्कारों की छांव में पले बढ़े अनिकेत तोमर जी आज अपने बुजुर्गों के नाम को नई बुलंदियों पर ले जा रहे हैं।

अपनी इसी अद्भुत पारिवारिक पृष्ठभूमि और स्वयं के प्रखर मैनेजमेंट कौशल के बल पर अनिकेत तोमर ने भाजपा संगठन में बहुत ही कम समय में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है। वर्तमान में वे भाजपा युवा मोर्चा जिला आगरा के जिला उपाध्यक्ष जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को बखूबी संभाल रहे हैं और इसके साथ ही वे भाजपा जिला आगरा के जिला कार्यसमिति सदस्य भी हैं। संगठन ने उनकी अद्भुत नेतृत्व क्षमता को देखते हुए उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर कई बड़े चुनावी और सांगठनिक दायित्व सौंपे हैं। वे वर्ष 2022 के दिल्ली नगर निगम चुनाव में कृष्ण नगर वार्ड 211 के प्रभारी रहे तथा वर्ष 2025 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में शालीमार बाग विधानसभा के चुनाव प्रभारी के रूप में अपनी सांगठनिक कुशलता का लोहा मनवा चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव के समय दमदम उत्तर विधानसभा क्षेत्र में एक कुशल प्रवासी कार्यकर्ता के रूप में सड़कों पर उतरकर संघर्ष किया था।

सुशासन यात्रा से लेकर युवाओं के बीच गहरे अपनत्व का एक नया जीवंत विजन

एक अत्यंत मिलनसार और बौद्धिक युवा नेता होने के कारण अनिकेत तोमर जी को कई बार राष्ट्रीय स्तर पर उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने का गौरव प्राप्त हुआ है। वे यूथ डेलीगेशन यमुना प्रवाह के अंतर्गत गुजरात प्रवास पर रहे और उत्तर प्रदेश के युवाओं की आवाज को बुलंद किया। इसके साथ ही वे उत्तर प्रदेश के मुख्य यूथ डेलीगेट के रूप में भारत सुशासन यात्रा के अंतर्गत बैंगलोर भी गए जहाँ उन्होंने आधुनिक शासन व्यवस्था और विकास के नए आयामों को बहुत ही करीब से समझा। अपनी इसी उच्च शिक्षा और नीतिगत समझ के बल पर वे आज आगरा और फतेहाबाद क्षेत्र के युवाओं के लिए एक सच्चे मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत बन चुके हैं। वे 24 घंटे कार्यकताओं के लिए उपलब्ध रहते हैं और समाज के उत्थान के लिए निरंतर संघर्ष कर रहे हैं जिससे क्षेत्र की जनता उन पर असीम स्नेह बरसाती है।

नोट- सियासी सूरमा कॉलम में हम उन व्यक्तित्वों की कहानी प्रकाशित करते हैं जिनके पास 10 सालों का सक्रिय राजनीतिक अनुभव है और संगठन के प्रति अटूट निष्ठा है। अगर आप भी खुद को मानते हैं सियासी सूरमा, तो अपनी कहानी हमें हमारे व्हाट्सएप नबंर 9412359817 पर भेजें।